दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 198 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, बुधवार, 9 जुलाई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

पंजाब में 10 लाख का फ्री इलाज

चंडीगढ़, एजेंसी | पंजाब सरकार ने राज्य के 65 लाख परिवारों को 10 लाख के मुफ्त स्वास्थ्य बीमा की सौगात दी है. अरविंद केजरीवाल ने इसे देश की सबसे बड़ी और क्रांतिकारी योजना बताया.

पंजाब सरकार ने राज्यवासियों के लिए एक बड़ी और ऐतिहासिक स्वास्थ्य योजना की शुरुआत की है. मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज (मंगलवार, 8 जुलाई) पंजाब में देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना का उद्घाटन किया.

इस योजना के तहत राज्य के 65 लाख परिवारों को 10 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएगी. यह योजना 2 अक्टूबर से लागू होगी और गांव-गांव में कैंप लगाकर लोगों को हेल्थ कार्ड जारी किए जाएंगे.

इस अवसर पर अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'आज पंजाब में एक क्रांतिकारी दिन है. यह फैसला गरीबों की जिंदगी बदल देगा. जब भारत जैसे देश में किसी के घर में बीमारी आती है तो पूरा परिवार कर्ज में डूब जाता है. आज का यह कदम 50 साल पहले ही उठाया जाना चाहिए था.' उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की दो सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं- शिक्षा और स्वास्थ्य. उन्होंने दावा किया कि अगर ये दोनों सेवाएं मजबूत नहीं होंगी, तो देश का विकास अधूरा रहेगा.

'भारत बंद' : 9 जुलाई को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया

नई दिल्ली, एजेंसी | 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगियों के एक मंच ने 9 जुलाई को आम हड़ताल या 'भारत बंद' का आह्वान किया है। एक बयान में मंच ने मज़दूरों से 'देशव्यापी आम हड़ताल को एक बड़ी सफलता' बनाने का आग्रह किया है।

बुधवार, 9 जुलाई, 2025 को 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने किसानों और ग्रामीण मज़दूर संगठनों के साथ मिलकर देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। 'भारत बंद' के नाम से मशहूर इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य सरकार की नीतियों का विरोध करना है, जिन्हें यूनियनें कॉर्पोरेट समर्थक और मज़दूर विरोधी बताती हैं। आयोजकों को उम्मीद है कि औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों में 25 करोड़ से ज़्यादा मज़दूर इसमें हिस्सा लेंगे, जिसमें ग्रामीण भारत से किसान और खेतिहर मज़दूर शामिल होंगे।

10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगियों के एक मंच ने 9 जुलाई को आम हड़ताल या 'भारत बंद' का आह्वान किया है। एक बयान में मंच ने मज़दूरों से 'देशव्यापी आम हड़ताल को एक बड़ी सफलता' बनाने का आग्रह किया है। इसने यह भी कहा है कि औपचारिक और अनौपचारिक/असंगठित अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में यूनियनों द्वारा तैयारियाँ चल रही हैं।

ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की अमरजीत कौर ने पीटीआई को बताया, 'हड़ताल में 25 करोड़ से ज़्यादा मज़दूरों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

तमिलनाडु ट्रेन एक्सीडेंट में भी भाषा की एंट्री!

डीएमके बोली- रेल कर्मचारी नहीं जानता था तमिल, इसीलिए हुआ हादसा

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने दावा किया कि रेलवे कर्मचारी को जो कमांड दी गई थी उसे वह समझ नहीं पाए. उन्होंने कहा कि ऐसे पदों पर बहाली के लिए सरकार को सुझाव भी दिया.

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | तमिलनाडु में कडलूर जिले के सेम्मनगुप्पम में मंगलवार (8 जुलाई 2025) को एक स्कूल वैन चलती ट्रेन की चपेट में आ गई. इस दुर्घटना में तीन छात्रों की मौत हो गई. दक्षिण रेलवे ने इस दुखद घटना के लिए माफी मांगते हए रेलवे फाटक पर तैनात गेटकीपर को निलंबित कर दिया और उसे गिरफ्तार कर लिया है. डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने इस दर्घटना को भाषा से जोड़ दिया है.

'ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी नहीं जानता था तमिल'

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा, 'इस जगह पर पहले भी दुर्घटना हो चुकी है. रेलवे अधिकारियों ने खुद कहा है कि यह इसलिए हुआ क्योंकि ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी तमिल भाषा नहीं जानता था. उसे जो कमांड दी गई थी वह नहीं समझ पाया. अब जो दुर्घटना हुई है उसमें भी यही हुआ है. ऐसे महत्वपूर्ण पदों पर हमेशा बेहतर होता है कि स्थानीय भाषा जानने वाले लोगों को नियुक्त किया जाए ताकि यह मददगार हो. इससे कम से कम लोगों की जान तो बच जाएगी.'

50 मीटर तक घसीटा; तीन बच्चों की मौत

चलती ट्रेन की चपेट में आया स्कूल वैन

रेलवे ने बताया, 'सुबह करीब पौने आठ बजे छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन ने कडलूर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 170 को पार करने का प्रयास किया. इस दौरान वह ट्रेन संख्या 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई.' पुलिस के अनुसार स्कूली छात्रों को ले जा रही वैन टक्कर लगने के बाद रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूर उछलकर गिरी. लोको पायलट ने कुछ दूर जाकर ट्रेन को रोक लिया.

गेटकीपर ने किया नियमों का उल्लंघन- रेलवे

न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे ने कहा, 'वैन चालक ने स्कूल पहुंचने में देरी से बचने के लिए फाटक पार करने की अनुमति देने के लिए कहा और गेटकीपर ने नियमों और प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर फाटक पार करने की अनुमति दे दी. गेटकीपर को नियमों के अनुसार फाटक नहीं खोलना चाहिए था. गेटकीपर को निलंबित कर दिया गया है और उसे सेवा से बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू की गयी है.

» व्यंजनों का एम्बेसडर है इन्दौर का पोहा

हुकुमचंद मिल के समान, ग्वालियर-रतलाम के मिल मजदूरों को भी दिलाया जाएगा उनका हक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» प्रदेश में मेट्रोपॉलिटन एरिया विकास के लिए बिल लायेगी राज्य सरकार

» लाड़ली बहनों को दी जाने वाली राशि में होगी वृद्धि

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए स्व-रोजगार के अवसर पैदा किए जा रहे हैं। सरकार लाड़ली बहना की राशि बढ़ा रही है। टेक्सटाइल पार्क में काम करने वाली लाड़ली बहनों को 5000 रुपए अलग से दिलाएंगे। लाड़ली बहना योजना की राशि क्रमबद्ध रूप से बढ़ाकर 3000 रुपए की जाएगी। एमपीपीएससी की तीन साल की परीक्षा एक साथ कराने का आदेश दिया गया है। युवाओं का कोई अहित नहीं होने देंगे। एक लाख शासकीय पदों पर भर्तियां हो रही हैं। प्रदेश सरकार ने नौ साल से अटकी पदोन्नति का रास्ता साफ किया है। इससे 2 लाख नए पदों के लिए भर्ती की संभावना बनेगी। आजादी के बाद लम्बे समय तक गेहूँ का मूल्य 600 रुपए था, अब सरकार किसानों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीद रही है। नदी जोड़ो परियोजनाओं के फलस्वरूप प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने इंदौर में हुकुमचंद मिल के मजदूरों को 300 करोड़ रुपए दिलवाये, जिससे 30 साल पुराना विवाद खत्म हुआ। रतलाम की सज्जन मिल और ग्वालियर की मिल के लिए भी इसी तरह के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंडिया टुडे मीडिया समूह द्वारा भोपाल के एक निजी होटल में आयोजित 'एम. पी. तक बैठक' संवाद कार्यक्रम में यह बात कही।

एमपी तक 'बैठक' कार्यक्रम में हुए शामिल

मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज़ गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणीः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

• भोपाल, प्रतिनिधि

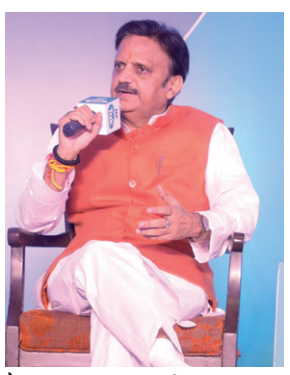

भोपाल | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 में प्रदेश में केवल 5 शासकीय मेडिकल कॉलेज थे। आज यह संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इस वर्ष दो और मेडिकल कॉलेज शुरू हो रहे हैं और आगामी वर्ष में छह नए कॉलेजों की शुरुआत प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निजी स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में निवेश को भी प्रोत्साहित कर रही है, जिससे चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दोनों स्तरों पर सशक्त हो सकें। सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुलभ हो और इसके लिए हर संभव संसाधन पर कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल भोपाल के एक निजी होटल में एमपी तक के विशेष कार्यक्रम 'बैठक' में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश के विकास, स्वास्थ्य व्यवस्था के सशक्तीकरण, विंध्य क्षेत्र के विकास और अन्य समसामयिक विषयों पर विस्तार से संवाद किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज़ गति से विकास करने वाले राज्यों में शुमार है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, रीजनल कॉन्क्लेव से प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं और निवेश के अवसरों को रेखांकित किया जा रहा है। इससे स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, और अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में पूरे प्रदेश में व्यापक और समग्र विकास हो रहा है।

जेलों में कट्टरपंथियों को पनपने से रोकने के लिए अमित शाह ने उठाये सख्त कदम, राज्यों को जारी की बड़ी सलाह

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली| गृह मंत्रालय ने 'मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016' और 'मॉडल प्रिज़न्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023' का हवाला देते हुए बताया कि इन मॉडल दस्तावेजों में उच्च-जोखिम कैदियों, उग्रवादियों आदि को अन्य कैदियों से पृथक रखने के लिए विशेष सुरक्षा वाले कारागारों की व्यवस्था की संस्तुति दी गई है।

इस तरह के वाकये पूरी दुनिया में देखने को मिल रहे हैं कि जेलों में बंद कट्टरपंथी दूसरे कैदियों का भी ब्रेन वॉश करके उन्हें गलत राह पर धकेल देते हैं। देखा जाये तो जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाये जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए तेजी से बड़ा खतरा बन रही है इसलिए संकट की गंभीरता को समझते हुए भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में तुरंत प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को जारी एक परामर्श में कहा गया है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना तथा ऐसे कैदियों को मुख्यधारा में लौटाने के लिए 'डि-रेडिकलाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

एशिया की सबसे बुजुर्ग हथनी वत्सला की मृत्यु

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | पन्ना टाईगर रिजर्व के परिक्षेत्र हिनौता के अंतर्गत सबसे बुजुर्ग हथनी लगभग 100 वर्ष से अधिक आयु की वत्सला की 8 जुलाई मंगलवार को मृत्यु हो गई। वत्सला को एशिया की सबसे बुजुर्ग हथनी माना जाता है। पन्ना टाईगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा वत्सला का अंतिम संस्कार किया गया। वत्सला हथनी पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र रही है। सबसे बुजुर्ग होने से वह पूरे हाथियों के दल का नेतृत्व करती रही है। अन्य मादा हाथी के प्रसव एवं बच्चा होने के उपरांत वह एक नानी अथवा दादी के रूप में अपनी भूमिका निभाती थी।

क्षेत्र संचालक पन्ना टाईगर रिजर्व ने बताया कि मादा वत्सला परिक्षेत्र हिनौता के खैरईयां नाले के पास आगे के पैर के नाखून टूट जाने के कारण बैठ गई थी। वनकर्मियों द्वारा उसको उठाने का काफी प्रयास किया गया। दोपहर को हथनी वत्सला की मृत्यु हो गई।

हथनी वत्सला केरल से नर्मदापुरम लाई गई थी और बाद में उसे पन्ना टाईगर रिजर्व लाया गया था। वृद्ध होने के कारण वत्सला को आँखो से दिखना बंद हो गया था तथा वह अधिक दूरी तक नहीं चल पाती थी इसलिये गश्ती कार्य में इसका उपयोग नहीं लिया जाता था। इसे हिनौता हाथी केम्प में रखा गया था। प्रतिदिन खैरईयां नाले तक नहाने के लिये ले जाया जाता था और भोजन में दलिया दिया जा रहा था।

4000 लोग अचानक बॉर्डर कूदकर भारत पहुंचे, चीन अब पड़ोसी देश में कर रहा कौन सा नया खेल?

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पड़ोसी देश के चिन राज्य में फिर से लड़ाई शुरू होने के बाद पिछले कुछ दिनों में म्यांमार से करीब 4,000 नए शरणार्थी मिजोरम में दाखिल हुए हैं। म्यांमार के चिन राज्य में 2 जुलाई से दो सैन्य-विरोधी जुंटा बलों चिन नेशनल डिफेंस फोर्स (CNDF) और चिनलैंड डिफेंस फोर्स (CDF) हुआलनोग्राम के बीच टकराव चल रहा है। नतीजतन, हजारों निवासी मिजोरम के चम्फाई जिले में आ गए हैं।

भारत से 1643 किलोमीटर लंबा बार्डर शेयर करने वाले एक देश में भयंकर जंग छिड़ गई है। इस देश में चीन ने ही जंग भड़काई है, लेकिन अब चीन पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। इस देश में चल रही जंग में चीन के दो लड़ाकू विमान तबाह हो गए हैं। चीन की मक्कारी के चलते इस देश की आम जनता भी मारी जा रही है। अपनी जान बचाने के लिए ये लोग अब भारत में भी घुस गए हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पड़ोसी देश के चिन राज्य में फिर से लड़ाई शुरू होने के बाद पिछले कुछ दिनों में म्यांमार से करीब 4,000 नए शरणार्थी मिजोरम में दाखिल हुए हैं। म्यांमार के चिन राज्य में 2 जुलाई से दो सैन्य-विरोधी जुंटा बलों चिन नेशनल डिफेंस फोर्स (CNDF) और चिनलैंड डिफेंस फोर्स (CDF) हुआलनोग्राम के बीच टकराव चल रहा है। नतीजतन, हजारों निवासी मिजोरम के चम्फाई जिले में आ गए हैं।

मिजोरम में एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि ताजा हिंसा शुरू होने के बाद से अब तक वहां पहुंचने वाले लोगों की संख्या लगभग 4,000 है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मिजोरम पुलिस के अधिकारियों ने बताया है कि सीमा के आसपास स्थिति काफी ज्यादा तनावपूर्ण है।

मुंबई में निशिकांत दुबे का विरोध, संजय राउत के पलटवार के बाद शरद पवार की एनसीपी ने तस्वीर पर मारे जूते

महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी को लेकर छिड़ा भाषा विवाद अब राजनीतिक हो गया है। झारखंड से बीजेपी ने सांसद निशिकांत दुबे के ठाकरे ब्रदर्स को चैलेंज देने पर राजनीति गरमा गई है। इस मुद्दे पर उद्धव ठाकरे की पार्टी ने जहां पलटवार किया है तो वहीं शरद पवार की पार्टी ने भी निशिकांत दुबे की बयानबाजी का विरोध के जूते मारो आंदोलन शुरू कर दिया है।

• मुंबई, एजेंसी

मुंबई | झारखंड से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मीरा रोड की घटना को लेकर ठाकरे ब्रदर्स को चुनौती देने के बाद महाराष्ट्र में सियासत गरमाती जा रही है। निशिकांत दुबे के पटक-पटककर मारने वाले बयान के विरोध में मंगलवार को शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने जूते मार क विरोध जताया। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने दुबे के बयान पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। उन्होंने इस मुद्दे पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर जहां हमला बोला है तो वहीं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे पर तीखे वार किए हैं, तो वहीं दूसरी तरफ निशिकांत दुबे ने मनसे पर विकीलीक्स अटैक करते हुए उद्धव गुट के ता संपत्ति के मुद्दे पर घेरा है।

वेलकम होटल पर 'जोड़े मारो'

शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने घाटकोपर पश्चिम - वेलकम होटल इलाके में जोड़े मारो आंदोलन (जूते मारो आंदोलन) की शुरुआत की। यह आंदोलन राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस (शरद चंद्र पवार) पार्टी के मुंबई अध्यक्ष एडवोकेट अमोल मतेले के सशक्त नेतृत्व में चलाया गया। एनसीपी के युवा नेताओं ने का कि निशिकांत दुबे का बयान सिर्फ मराठी भाषा की आलोचना नहीं है, यह महाराष्ट्र की पहचान पर सीधा हमला था। भाजपा का पुराना खेल फिर से शुरू हो गया है। वह बिहार में चुनाव और महाराष्ट्र में आग लगा रहे हैं। उनकी राजनीति बयानबाजी करके मराठी लोगों की भावनाओं को भड़काने की है। लेकिन इस बार महाराष्ट्र चुप नहीं रहा। मराठी युवाओं ने जूते हाथ में लेकर साफ जवाब दिया। एडवोकेट अमोल मटेले नेकहा कि यह लड़ाई सिर्फ निशिकांत दुबे के लिए नहीं है, यह लड़ाई महाराष्ट्र की अस्मिता के लिए है। मटेले ने कहा कि जो भी मराठी व्यक्ति को कम आंकेगा, उसे सजा मिलेगी।

निशिकांत दुबे का विकीलीक्स अटैक

तो वहीं ताजा हमले में निशिकांत दुबे ने 2007 के विकीलीक्स को साझा करके लिखा है कि राज ठाकरे को जनता का समर्थन नहीं मिलता तो गुंडे को आगे करती है। यानि गुंडागर्दी ही उसका मकसद है जो आनेवाले मुम्बई महानगर पालिका के चुनाव में हारने के डर से चुनाव के ऐन पहले करती है,मेरा विरोध ठाकरे की गुंडागर्दी से है और सहनशीलता की सीमाएं ख़त्म हो गई है। मराठा समाज हमेशा आदरणीय है। देश हम सबका है। मैं जहं से सांसद हूं। वहां से मराठा मधुलिमये जी लगातार 3 बार सांसद रहे ।इंदिरा गांधी जी के विरोध में हमने मराठा को लोकसभा जिताया। ठाकरे होश में आओ,अपनी लड़ाई को मराठा मत बनाओ, मुंबई के विकास में हमारा भी योगदान है और रहेगा

मां ने ही की थी अपने ढाई साल के बच्चे की हत्या, 2 साल बाद हुआ खौफनाक खुलासा!

बच्चे की मौत के बाद तब कलयुगी मां ने कहा था कि बच्चे ने अचानक दूध पीना और बोलना बंद कर दिया था. परिजनों ने उसकी बातों पर भरोसा कर बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया, लेकिन बच्चे का पिता को भरोसा नहीं हुआ और दो साल बाद उसने जुर्म स्वीकार कर लिया.

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | रीवा जिले में दो वर्ष पूर्व हुए एक ढाई वर्ष के मासूम के कत्ल का राज खुल गया है. दो वर्ष पुराने मासूम की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने बताया कि मासूम की हत्या उसकी खुद की मां ने की थी. इस खौफनाक खुलासे ने सबको हैरान कर दिया. खुलासा हुआ कि कलयुगी मां ने बेटे की हत्या पति के अवैध संबंधों से परेशान होकर किया था.

एएसपी रीवा ने बताया कि अपने ही बच्चे की मौत की जिम्मेदार मां का सोचना था, पति उसका किसी और के साथ है और मैं उसके बच्चे को बेवजह पाल रही हूं. इसी सोच के साथ उसने अपने ढाई साल के बच्चे की नाक और गला दबाकर हत्या कर दी थी, जिसका राज अब 2 साल बाद खुला है.

मासूम की हत्या उसकी अपनी मां ने नाक और गलाकर दबा कर की थी

मामला मंनगवा थाना क्षेत्र का है, जहां 2 साल पहले एक ढाई साल के बच्चे की मौत हो गई थी, लेकिन उसकी हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने बताया कि मासूम की हत्या उसकी अपनी ही मां ने नाक और गलाकर दबा कर की थी. 2 साल बाद खुले हत्या की गुत्थी ने सबको चकित कर दिया है.

बेटे की हत्या की बात पति के बार-बार पूछने पर मां ने जुर्म स्वीकार लिया

रिपोर्ट के मुताबिक मासूम की हत्या की बात खुद कलयुगी मां ने पति के बार-बार पूछने पर स्वीकार कर लिया. पति ने पूरी बात की रिकॉर्डिंग करके पुलिस को सौंप दिया, जिसके बाद दो वर्ष पुराने मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में पुलिस को मदद मिली. मामले पर एएसपी रीवा ने बताया पत्नी अपने पति के अवैध संबंध को लेकर परेशान थी, इसलिए ऐसा कदम उठाया.

बच्चे की मौत के बाद तब कलयुगी मां ने कहा था कि बच्चे ने अचानक दूध पीना और बोलना बंद कर दिया था. परिजनों ने उसकी बातों पर भरोसा कर बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया, लेकिन बच्चे के पिता को भरोसा नहीं हुआ और दो साल बाद मां ने अंततः जुर्म स्वीकार कर लिया.

पहले कहा था कि बच्चे ने अचानक दूध पीना और बोलना बंद कर दिया

गौरतलब है संभागीय मुख्यालय रीवा से 30 किलोमीटर दूर मनगांव में आज से 2 साल पहले एक ढाई साल के बच्चे की हुई थी. बच्चे की मौत के बाद तब कलयुगी मां ने कहा था कि बच्चे ने अचानक दूध पीना और बोलना बंद कर दिया था. परिजनों ने उसकी बातों पर भरोसा कर बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया, लेकिन बच्चे का पिता को भरोसा नहीं हुआ.

दूसरी महिला से पति के अवैध संबंधों के चलते परेशान रहती थी कलयुगी मां

पत्नी की बातों से आशंकित होकर पति बच्चे की मां से लगातार बच्चों की मौत को लेकर सवाल करता रहा और अंततः घटना के दो साल उसने बेटे की हत्या की बात को स्वीकार कर लिया. उसने बताया कि वह दूसरी महिला से अवैध संबंधों के चलते परेशान रहती थी, इसलिए उसने गुस्से में आकर उसका नाक और गला दबाकर मार डाला था.

एडिशनल एसपी रीवा विवेक लाल ने बताया कि दो साल तक बेटे के हत्या के बात छुपाए रखी हत्यारिन मां की रिकॉर्डिंग की फोरेंसिक एक्सपर्ट से मिलान के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. महिला को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया.

बेटे की हत्या के कबूलनामे को चुपके से पति ने रिकॉर्ड कर पुलिस को सौंप दिया

उल्लेखनीय है जब पत्नी बेटे की हत्या को कुबूल रही थी तब पति ने चुपके से उसकी कबूलनामे को रिकॉर्ड कर लिया और बतौर सबूत यह रिकॉर्डिंग पुलिस के पास सौंप दिया. पुलिस ने महिला की आवाज फॉरेंसिक तरीके से मिलान करवाया, तो महिला की आवाज फोन वाली आवाज से मिल गई और महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

नर्सिंग स्टूडेंट्स ने डॉक्टर पर लगाए गंभीर आरोप, डीन ने जांच के लिए बनाई कमिटी

रीवा का संजय गांधी अस्पताल एक बार फिर सुर्खियों में है. यहां के नर्सिंग स्टूडेंट्स ने डॉक्टर पर गंदे व्यवहार का आरोप लगाया है. इसके बाद नर्सिंग प्रिंसिपल ने वार्ड से नर्सिंग स्टाफ को हटाया और मेडिकल कॉलेज के डीन ने जांच के लिए कमिटी बना दी है. आइए आपको पूरे मामले के बारे में विस्तार से जानकारी देते हैं.

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | मध्य प्रदेश के रीवा जिले के संजय गांधी अस्पताल में ट्रेनिंग करने वाली नर्सिंग की सेकेंड इयर की 80 छात्राओं ने ईएनटी विभाग के चिकित्सक पर गलत व्यवहार को लेकर शिकायत दर्ज कराई है. छात्राओं का कहना है कि डॉक्टर उनसे गंदा व्यवहार करता है, इसलिए वह ईएनटी विभाग में काम नहीं करेंगीं. छात्राओं की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने भी उनकी ड्यूटी ईएनटी विभाग से हटा दी है. साथ ही, डीन ने जांच दल गठित कर पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है. डीन सुनील अग्रवाल का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

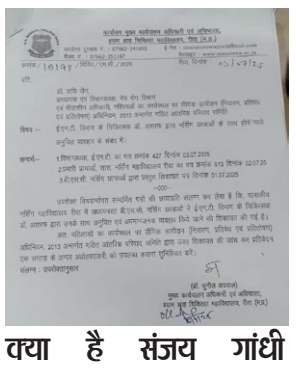

क्या है संजय गांधी अस्पताल का पूरा मामला?

रीवा का संजय गांधी अस्पताल प्रदेश की सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है. यहां पर आए दिन कुछ न कुछ ऐसा होता है, जो सुर्खियों में छा जाता है. ऐसा ही एक ताजा मामला सामने आया, जिसमें डॉ. अशरफ पर सरकारी नर्सिंग कॉलेज की बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने आरोप लगाकर हड़कंप मचा दिया है. इसकी लिखित शिकायत छात्राओं ने नर्सिंग कॉलेज प्राचार्य से की थी. शिकायत को देखते हुए प्राचार्य ने इस संबंध में डीन श्याम शाह मेडिकल कॉलेज को पत्र लिखकर अवगत कराया.

डीन ने लिया कड़ा एक्शन

कॉलेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल ने डॉ. अशरफ के खिलाफ जांच के आदेश दे दिए हैं. इस टीम की जांच अधिकारी नेत्र रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शशि जैन हैं. वे अपनी टीम के साथ मामले की जांच करेंगी. जांच करने के बाद डीन को एक जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. अब देखना है कि जांच कमिटी किस तरीके की रिपोर्ट देती है.

'मीसाबंदी सम्मान समारोह' हेतु सर्व सामाजिक संगठन द्वारा आयोजित की गयी विमर्श बैठक

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | आगामी 29 जुलाई को वरिष्ठ मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव जी के 69वें जन्मदिवस पर कृष्णा राज कपूर आडिटोरियम में आयोजित 'मीसाबंदी सम्मान समारोह' कार्यक्रम के संदर्भ में सर्व सामाजिक संगठन द्वारा विमर्श बैठक का आयोजन स्थानीय मानस भवन में आयोजित किया गया! जिसकी अध्यक्षता मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष पांडेय ने की!

विमर्श बैठक में शहर की जिन सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख उपस्थित रहे उनमें रीवा व्यापारी महासंघ एवं युवा साहू समाज के अध्यक्ष बंसी साहू, साईनांजलि समिति की अध्यक्ष एवं विद्याशिल्प एकेडमी की डायरेक्टर अनुराधा श्रीवास्तव, अखिल भारतीय चौरसिया महासभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कुशाभाऊ ठाकरे मंडल की अध्यक्ष नीलम चौरसिया, ज्ञानोदय जन जागृति समिति की अध्यक्ष डॉ सविता मिश्रा, रीजनल एनवायरमेंट एंड ह्युमैनिटी ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष ममता मिश्रा, भारत रक्षा मंच एवं स्वर्णकार समाज महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सरोज सोनी, युवा एकता कल्याण संघ के अध्यक्ष राजराखन पटेल, हिंदू क्षत्रीय वाहिनी संगठन के सदस्य एवं अभिशौर ग्रुप के प्रमुख अभिषेक सिंह, तक्षशिला विद्यालय के संचालक एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार के सदस्य राजेश शर्मा, नवोदय पब्लिक स्कूल चौखंडी, अमवा एवं कैलाशपुरी के संचालक पंकज उपाध्याय, ग्रामीण बाल प्रतिभा मंच के संचालक उमेश सेन, प्रकृति संरक्षण एवं शोध संस्थान समिति के अध्यक्ष नीलेश शुक्ला, जन कल्याण मंच के अध्यक्ष हरिओम तिवारी, जन कल्याण सेवा एकता बहुउद्देशीय समिति के अध्यक्ष राहुल तिवारी, वन संरक्षण समिति के अध्यक्ष अभिषेक दुबे, भारत विकास परिषद से राजेन्द्र ताम्रकार, महेश बाबू स्मृति समिति से साकेत श्रीवास्तव, समाजसेवी एवं संविदाकार पप्पू कनौजिया, साईंशा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के सचिव सिद्धार्थ श्रीवास्तव, युवा समाजसेवी अभिषेक सिंह, युवा समाजसेवी आशीष सोनी, युवा समाजसेवी अरविंद पटेल, युवा समाजसेवी दीपेश पटेल, युवा समाजसेवी अतुल पटेल एवं युवा समाजसेवी अभिषेक पटेल शामिल है!

विमर्श बैठक में विंध्य क्षेत्र के मीसाबंदियों के सम्मान समारोह के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की गयी! विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा के संदर्भ में अपने सुझाव रखे एवं कार्यक्रम में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की! साथ ही सर्व सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों ने प्रबुद्ध जनों एवं आम आवाम से 29 जुलाई 2025 को दोपहर 2 बजे कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में आयोजित मीसाबंदी सम्मान समारोह में शामिल होने की अपील की है!

वृक्षारोपण के महाभियान में हर अधिकारी अनिवार्य रूप से भागीदारी निभाए - कमिश्नर

ई ऑफिस में ऑनबोर्ड न होने वाले कार्यालय प्रमुखों की रुकेगी वेतनवृद्धि - कमिश्नर

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। संभाग के सभी जिलों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक विकासखण्ड में एक लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी अधिकारी वृक्षारोपण के महाभियान में अनिवार्य रूप से भागीदारी निभाएं। सभी शिक्षण संस्थाओं के परिसर, छात्रावास परिसर, आंगनवाड़ी केन्द्र भवन परिसर तथा कार्यालय परिसरों में उपयुक्त स्थल पर पौधे रोपित करें। जिले के सभी प्रमुख सड़कों के किनारे भी अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण कराएं। सभी नगर निगम तथा नगरीय निकाय पार्कों एवं अन्य उपयुक्त शासकीय भूमियों पर पौधे रोपित करें। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पौधे रोपित करना हम सबकी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अब पूरा शासकीय कामकाज ई ऑफिस के माध्यम से हो रहा है। सभी अधिकारी फाइलें और जानकारियाँ ई ऑफिस के माध्यम से ही भेजें। अन्य माध्यम से फाइलें स्वीकार नहीं होंगी। ई ऑफिस में सात दिन की समय सीमा में शेष बचे कार्यालय यदि ऑनबोर्ड नहीं होते हैं तो संबंधित कार्यालय प्रमुख की एक वार्षिक वेतनवृद्धि अवरूद्ध करने की कार्यवाही की जाएगी। ई ऑफिस में फाइल दर्ज करने के साथ ही इनका मूवमेंट भी सुनिश्चित करें। संभागीय अधिकारी अपने जिला और अन्य अधीनस्थ कार्यालयों में भी ई ऑफिस की व्यवस्था सात दिवस में अनिवार्य रूप से लागू कर दें। कमिश्नर ने कहा कि संभाग में मछली पालन विभाग द्वारा 68 स्मार्ट फिश पार्लर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। आयुक्त नगर निगम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी अपने निकाय में कम से कम एक स्मार्ट फिश पार्लर स्थापित कराएं। संयुक्त संचालक कृषि, सहायक संचालक उद्यानिकी तथा संयुक्त संचालक पशुपालन मछली पालन योग्य तालाबों के किसानों की सूची सात दिवस में उप संचालक मछली पालन को उपलब्ध कराएं, जिससे इनमें इस सीजन में मछली पालन किया जा सके।

कमिश्नर ने कहा कि इस वर्ष लगातार अच्छी वर्षा हो रही है। संभाग के जिन क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका है वहाँ राहत और बचाव के पूरे प्रबंध कर लें। बाढ़ प्रबंधन के लिए उत्तरप्रदेश के अधिकारियों से सतत संपर्क में रहें। रपटों अथवा छोटे पुल जलमग्न होने पर बैरियर लगाकर तत्काल आवागमन बंद करें। कमिश्नर ने कहा कि कार्यक्षेत्र में महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न को रोकने के लिए माननीय न्यायालय के 2013 निर्देशों के अनुसार गठित आंतरिक समिति की नियमित रूप से बैठक आयोजित करें। समिति का हर तीन साल में पुनर्गठन करें। जिन कार्यालयों में समिति गठित नहीं है वे सात दिवस में समिति गठित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। आंतरिक समिति का गठन न करने पर कार्यालय प्रमुख पर 50 हजार रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। प्रत्येक जिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को इसका नोडल अधिकारी बनाया गया है।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि सेमरिया से बिरसिंहपुर मार्ग पर सुधार का कार्य तत्काल करें। आईएफएमआईएस पोर्टल में नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ नॉन रेग्युलर कर्मचारियों का समग्र डाटा अपलोड कराएं। कर्मचारियों के बैंक खाते में आधार सीडिंग अनिवार्य रूप से कराएं। बैठक में लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता ऊर्जा प्रमा पाण्डेय, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिसके खिलाफ लेकर आए थे अविश्वास प्रस्ताव

वोटिंग के बाद फिर वही चुन लिया गया सरपंच

• साधना एक्सप्रेस, मऊगंज

मऊगंज | ग्राम पंचायत पतुलखी छत्रपाल के पंचायत भवन में पीठासीन अधिकारी की निगरानी में सरपंच के विरुद्ध लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मत विभाजन की प्रक्रिया में कुल 17 पंचों में से 10 पंचों ने मौजूदा सरपंच अनुराधा साकेत के पक्ष में मत देकर उन्हें फिर से विजयी बना दिया.

मऊगंज जिले के हनुमना जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत पतुलखी छत्रपाल की पंचायत राजनीति ने मंगलवार को उस वक्त बड़ा मोड़ ले लिया, जब सरपंच अनुराधा साकेत के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव की साजिश न सिर्फ धराशायी हुई, बल्कि अविश्वास प्रस्ताव खुद ही सवालों के घेरे में भी आ गई.

दरअसल, ग्राम पंचायत पतुलखी छत्रपाल के पंचायत भवन में पीठासीन अधिकारी की निगरानी में सरपंच के विरुद्ध लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मत विभाजन की प्रक्रिया में कुल 17 पंचों में से 10 पंचों ने मौजूदा सरपंच अनुराधा साकेत के पक्ष में मत देकर उन्हें फिर से विजयी बना दिया.

सवालों के घेरे में आया अविश्वास प्रस्ताव

पीठासीन अधिकारी तहसीलदार बैसाखुलाल प्रजापति की निगरानी में संपन्न हुए अविश्वास प्रस्ताव के मत विभाजन की प्रक्रिया में दोबारा सरंपच चुनी गई अनुराधा साकेत अब गांव के गलियारों व चौराहों पर चर्चा में बनी हुई हैं. मंगलवार को मत विभाजन प्रक्रिया में 10 पंच ने अनुराधा साकेत के पक्ष में वोट किया. दिलचस्प है कि ये 10 पंच पहले ही उनके समर्थन में थे.

विकास में बाधा डालने की साजिश थी?

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरपंच अनुराधा साकेत ने अपने कार्यकाल में पंचायत में पारदर्शिता और विकास को प्राथमिकता दी है, लेकिन अपनी स्वार्थपूर्ति नहीं कर सके पंचायत में बैठे कुछ असंतुष्ट चेहरों ने उनके खिलाफ यह षड्यंत्र रचा. उनके मुताबिक अविश्वास प्रस्ताव का पूरा खेल सिर्फ अस्थिरता फैलाने के लिए रचा गया था.

सरपंच अनुराधा साकेत के समर्थन में वोट करने वाले 10 पंच पहले भी उनके समर्थन में वोट कर चुके थे, सवाल उठा कि फिर अविश्वास प्रस्ताव क्यों लाया गया? क्या कुछ तत्व पंचायत की स्थिरता को डगमगाना चाहते थे ताकि गांव के विकास को अवरुद्ध किया जा सके?

नेतृत्व की जीत, साजिशकर्ताओं की हुई हार

रिपोर्ट के मुताबिक सरपंच अनुराधा साकेत के खिलाफ लाए गए अविश्वास के परिणाम ने न सिर्फ अनुराधा साकेत को एक बार फिर पंचायत की कमान सौंप दी है, बल्कि उनके नेतृत्व में जनता का विश्वास भी दोहराया है. वहीं विपक्षी खेमा जो पर्दे के पीछे रहकर दांव-पेंच खेल रहा था, वह पूरी तरह से बेनकाब और विफल हो गया.

पीठासीन अधिकारी की भूमिका रही सराहनीय

सरपंच अनुराधा साकेत के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का हश्र सबके सामने आ गया जब 10 पंचों ने मत विभाजन प्रक्रिया में दोबारा सरपंच चुन लिया. मत विभाजन प्रक्रिया के दौरान तहसीलदार बैसाखुलाल प्रजापति ने निष्पक्षता और शांति बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई.

हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए सांसद ने ली बैठक

• साधना एक्सप्रेस, सतना

सतना | सांसद सतना श्री गणेश सिंह ने मंगलवार को सतना एयरपोर्ट पहुंचकर एयरपोर्ट एथारिटी और राजस्व तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। इस मौके पर उन्होंने सतना एयरपोर्ट की एयर स्ट्रीप की लम्बाई 1200 से 1800 मीटर उन्नयन किये जाने के लिए आवश्यक भूमि और एयरपोर्ट के विस्तार की संभावनाओं के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। सांसद ने कहा कि सतना एयरपोर्ट से भोपाल और इंदौर की कनेक्टविटी के प्रचार-प्रसार के लिए फ्लाइट के टाइम शेडयूल और टिकट बुकिंग काउंटर तथा टिकट लेने की एडवांस बुकिंग की प्रक्रिया की जानकारी का सोशल मीडिया सहित अन्य प्लेटफार्म भी प्रचार-प्रसार किया जाये। इस मौके पर एयरपोर्ट एथारिटी के डायरेक्टर अशोक गुप्ता, एसडीएम राहुल सिलाडिया, तहसीलदार सौरभ मिश्रा, एसडीओ लोक निर्माण विभाग सहित राजस्व अमले की टीम ने एयरपोर्ट की हवाई पट्टी का विस्तार करने के लिए आवश्यक भूमि का मौका मुआयना भी किया। इस मौके पर श्रीराम मिश्रा, प्रदीप अरोरा, नीता सोनी, देवेन्द्र सिंह, पवन पाण्डेय सहित स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश की गतिशीलता-शांति और संसाधनों का लाभ उठाएँ निवेशक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जहां संभावना दिखती है, वहां नियम बदलने से नहीं हिचकिचाएंगे

लुधियाना में उद्योगपतियों से भेंट कर निवेश के लिये दिया आमंत्रण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लुधियाना स्थित वर्धमान औद्योगिक परिसर में पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से भेंट की और उन्हें मध्यप्रदेश की समावेशी, उदार और निवेश-अनुकूल नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार न केवल उद्योग लगाने और निवेश बढ़ाने के लिए तैयार है, बल्कि यदि किसी सेक्टर में संभावना दिखती है, तो वहां आवश्यकतानुसार नियमों में परिवर्तन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में गारमेंट और टेक्सटाइल सेक्टर के लिए विशेष अवसर उपलब्ध हैं और राज्य सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इंदौर की हुकुमचंद मिल को पुनर्जीवित करने की दिशा में कार्य हो रहा है और मजदूरों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सौ करोड़ रु. से अधिक के सेटलमेंट क्लियर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों और श्रमिकों के साथ सरकार की प्रतिबद्धता हर स्तर पर बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर की जेसी मिल और उज्जैन की हीरा मिल के मामले में भी राज्य सरकार ने सहृदयता से निर्णय किये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों के हित में निर्णय लेने के लिए कैबिनेट स्तर पर नीतियों में बदलाव को भी तैयार है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि वे मध्यप्रदेश में आकर संभावनाओं को देखें और राज्य की गतिशीलता, शांति और संसाधनों का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि राज्य में टेक्सटॉइल, एग्री बेस्ड इंडस्ट्री, इंजीनियरिंग गुड्स, स्टील प्रोसेसिंग, रिन्यूएबल एनर्जी और आईटी जैसे सेक्टरों में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से यह भी कहा कि मध्यप्रदेश केवल निवेश के लिए नहीं, बल्कि एक जनकल्याणकारी राज्य के रूप में भी तेजी से पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि गरीब तबके के लिए एयर एंबुलेंस सेवा और राहगीर सेवा योजना जैसी अभिनव योजना क्रियान्वित की जा रही हैं। इन योजनाओं की उद्योगपतियों ने सराहना करते हुए कहा कि इस स्तर की सोच और संवेदनशीलता शायद ही किसी अन्य राज्य में दिखती हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वर्धमान ग्रुप के एमडी नीरज जैन, राल्सन इंडिया लिमिटेड के चेयरमेन संजीव पहवा, कंगारू इंडस्ट्रीज के एमडी अंबरीश जैन, टीके स्टील रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के एमडी श्री लोकेश जैन, रजनीश इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राहुल आहूजा, फार्मपार्ट्स कंपनी के उपाध्यक्ष जे.एस. भोगल, सीआईसीयू के अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा, कमल (सरजवन होजरी) के प्रतिनिधि श्री सुदर्शन जैन और अरुण जैन सहित विभिन्न सेक्टर के उद्योगपतियों ने मुलाकात की। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश में बिजली दरें प्रतिस्पर्धी हैं और नियम संबंधी प्रक्रियाओं को सरल और निवेशक-अनुकूल बनाया जा रहा है।

ग्राउंड का अधिग्रहण रोकने मंत्री के बंगले पर पहुंचे लोग

» बोले-भेल ने बाउंड्रीवॉल बनाकर लीज पर दे दिया; भोपाल के बरखेड़ा में है मैदान

भोपाल। भोपाल के बरखेड़ा एफ सेक्टर स्थित बाबूलाल गौर खेल एवं दशहरा मैदान के अधिग्रहण के विरोध में सोमवार को कई लोग मंत्री कृष्णा गौर के बंगले पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि भेल ने बाउंड्रीवॉल बनाकर मैदान को लीज पर दे दिया। मंत्री गौर ने इस मामले में भेल प्रबंधन से चर्चा करने की बात कही है।

भेल युवा संगम समिति के बैनरतले लोग मंत्री के बंगले पर पहुंचे थे। पूर्व पार्षद केवल मिश्रा ने बताया कि पिछले 10 साल से मैदान पर सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन भी किए जा रहे हैं। वहीं, क्रिकेट, कबड्डी, वालीबॉल टूर्नामेंट भी होते हैं। पहले मैदान उबड़-खाबड़ था, जिसे लोगों ने मिलकर 300-400 ट्रक मिट्?टी डालकर समतल किया। इसी मैदान का अधिग्रहण भेल प्रबंधन ने किया है, जो ठीक नहीं है।

बाउंड्रीवॉल बनाकर लीज पर दिया

लोगों ने कहा कि भेल ने इस मैदान को बाउंड्रीवॉल बनाकर लीज पर दे दिया है। जिसका विरोध रहवासी लगातार कर रहे हैं। मंत्री से मिलकर उन्हें अपनी समस्याएं बताई गईं। मंत्री गौर ने रहवासियों को आश्वासन दिया कि वे भेल प्रशासन से बात करेंगी। वहीं रहवासियों का कहना है कि अगर उनकी समस्या का निराकरण नहीं किया जाता है तो वो उग्र प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे।

घेराव की जानकारी मिलते ही अलर्ट हुई पुलिस- मंत्री गौर के बंगले का घेराव किए जाने की जानकारी मिलते ही पुलिस अलर्ट हो गई। बंगले के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए। ताकि, कोई किसी प्रकार का हंगामा न कर सके।

घटना को टालने वाले 13 रेलकर्मियों को मिला संरक्षा पुरस्कार

डीआरएम ने किया सम्मानित

भोपाल। रेल यात्रियों की सुरक्षा में सतर्कता और सजगता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करने वाले 13 रेलकर्मियों को सम्मानित किया गया है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित समारोह में रेलकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। इन कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान समय रहते सूझ-बूझ और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए संभावित असामान्य घटनाओं को टाल दिया। इनकी सतर्कता से जहां एक ओर यात्रियों की जानमाल की रक्षा हुई, वहीं रेलवे की कीमती संपत्ति भी सुरक्षित रही।

मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी ने कहा- रेलवे की संरक्षा प्रणाली में कर्मचारियों की सजगता सबसे बड़ा स्तंभ है। आपके प्रयासों से ना केवल यात्रियों का विश्वास मजबूत होता है, बल्कि पूरे रेलवे मंडल का गौरव भी बढ़ता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा- यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए रेलवे लगातार अपने कर्मचारियों को आधुनिक प्रशिक्षण और संसाधन मुहैया करा रहा है।

भोपाल के 25 इलाकों में आज बिजली कटौती

भोपाल। भोपाल के करीब 25 इलाकों में मंगलवार को 3 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। ऐसे में लोग अपने जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, बाद में परेशानी का सामना न करना पड़े। सुबह 6 से 9 बजे तक टीन शेड, 74 बंगलो, न्यू मार्केट एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कमल नगर, जैन कॉलोनी, डेयरी स्टेट, बरखेड़ीखुर्द, शारदा विहार, केरवा पंप, गैस राहत कॉलोनी, लाल क्वार्टर, सिल्वर स्टेट, पटेल नगर, ईशान कॉम्पलेक्स, ओमेगा कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक सनसिटी, इंद्र विहार, आदित्य एवेन्यू, दाता कॉलोनी, हज हाउस एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक जेके रोड, नयापुरा, राजीव रोशरी, ओम शिव नगर, मुंशी प्रेम कॉलोनी एवं आसपास के इलाके।

राजीव गांधी जल संग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन की साधारण सभा की बैठक

जल, भूमि संरक्षण के लिये ठोस प्रयास आवश्यक : मंत्री प्रहलाद पटेल

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि हमें जल, भूमि संरक्षण के लिये अभी से ठोस प्रयास करने होंगे। जल स्रोतों के रिचार्जिंग सिस्टम को बढ़ाना होगा। फसलों का चक्रीकरण और पौधरोपण में वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना होगा। मंत्री श्री पटेल सोमवार को राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में चिंता करते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण जल स्रोतों के रिचार्जिंग सिस्टम धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। नदियों के उद्गम स्थलों का संरक्षण नहीं करने के कारण उनके स्रोत सूखते जा रहे हैं। मरूस्थलीकरण की प्रक्रिया तेजी से बढ़ रही है। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव पीएचई श्री पी. नरहरि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि राजीव गांधी जल संग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन के अंतर्गत विभिन्न विभागों से मिशन के परिणामों की जानकारी प्राप्त की जाए।

उन्होंने कहा कि मिशन के तहत सभी परियोजनाओं का थीमेटिव विश्लेषण किया जाये। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वॉटर शेड परियोजनाओं के बेहतर परिणामों के लिये एनजीओ को संबद्ध करने की नीति तैयार की जाये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की प्रगति का आंकलन जमीनी स्तर पर करें।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वॉटर शेड परियोजनाओं के अंतर्गत क्लस्टर आधारित सब्जी उत्पादन का कार्य अच्छा करने वाले जिलों का स्वयं भ्रमण करेंगे। इस अवसर पर चंदेला-बुंदेला तालाबों का जीर्णोद्धार कार्यशाला प्रतिवेदन की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। मिशन संचालक अवि प्रसाद ने बैठक में साधारण सभा के समक्ष विभिन्न एजेंडा प्रस्तुत किये। उन्होंने पीएमकेएसवाय 2.0 की प्रगति, वॉटर शेड परियोजनाओं का सोशल ऑडिट, परियोजना के प्रभावों का विश्लेषण, मिशन के संस्थागत सुदृढ़ीकरण, जीआईएस एवं एआई सुविधा विकसित करने आदि विषयों के संबंध में जानकारी दी।

सांदीपनि विद्यालयों में यूनिसेफ के सहयोग से चलेगा कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

भोपाल। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॅरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं। नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॅरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कॅरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॅरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॅरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॅरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि विद्यालय समय सारणी में विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिये कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किये जायें। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॅरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॅरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन करवाया जाये। कॅरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये।

एमपी नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक रेंगते रहे वाहन, एंबुलेंस भी फंसी

बारिश के बीच भोपाल में ट्रैफिक जाम

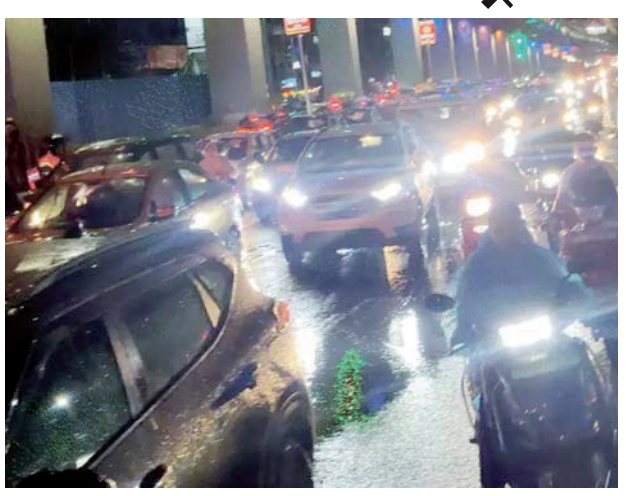

भोपाल। भोपाल में सोमवार को दोपहर से तेज बारिश जारी है। वहीं दूसरी ओर एमपी नगर जोन-1 से लेकर जीजी फ्लाईओवर और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने तक करीब 40 मिनट से अधिक समय से ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है।

फ्लाईओवर पर जाम में एक एंबुलेंस भी फंसी नजर आई। राहगीरों के साथ-साथ ऑफिस टाइम में लौट रहे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। एमपी नगर थाने से लेकर हबीबगंज नाके तक वाहन रेंगते नजर आए। बताया जा रहा है कि जीजी फ्लाईओवर के अंत में, यानी हबीबगंज नाके के पास बारिश का पानी भर जाने से गाड़ियां धीमी हुईं और ट्रैफिक जाम लग गया। बारिश की वजह से सड़क पर फिसलन और जलभराव ने हालात को और बिगाड़ दिया। यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मौके पर ट्रैफिक पुलिस और डायल-100 के जवान गाड़ियों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभी तक स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है।

प्रदेश में पहली बार पौधरोपण के लिए अत्याधुनिक तकनीक का किया जाएगा उपयोग

» स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर विकसित की जाएगी फलोद्यान बगिया

» ऐप के माध्यम से महिला हितग्राहियों का होगा चयन

» 15 अगस्त से 'एक बगिया माँ के नाम' अंतर्गत शुरू होगा पौधरोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत एक बगिया मां के नाम परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं।

एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने वाली आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन एक बगिया मां के नाम ऐप से किया जाएगा। मनरेगा परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ऐप का निर्माण किया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे। परियोजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद और गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

भोपाल सहित पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

» दिन के टैरिफ में मिल रही 20 प्रतिशत की छूट

भोपाल। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है तथा दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी मिलनी शुरू हो गई है। कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 3 लाख, 3 हजार 305 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में एक लाख, 62 हजार 320 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। कंपनी ने बताया कि जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं। नए टैरिफ आर्डर के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। जून माह का बिल जो कि जुलाई माह में जारी हुआ है, उसमें दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई विद्युत के दौरान बनी यूनिट पर छूट अलग कॉलम में अंकित की गई है।

॥ संपादकीय ॥

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव BRI में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना "लिथियम ट्रायंगल" का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है।

चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति Global South के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के 'ग्लोबल साउथ' को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है।

देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, 'सॉफ्ट पावर' के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। ये संबंध केवल व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, खेल और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग का आधार बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत और अर्जेंटीना के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध 1949 में स्थापित हुए थे। दोनों देश वैश्विक मंचों पर समान विचार साझा करते हैं– जैसे बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद विरोध और Global South की आवाज को सशक्त बनाना। पिछले दो दशकों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राएं, व्यापारिक समझौते और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गौर करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति जताई। साथ ही अर्जेंटीना चूंकि Lithium Triangle का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लिए लिथियम एक प्रमुख संसाधन है, इसलिए प्रधानमंत्री की यात्रा में लिथियम आपूर्ति के समझौते बेहद अहम रहे। इसके अलावा, अर्जेंटीना कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत है इसलिए भारत ने कृषि क्षेत्र में सहयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन देने पर सहमति हुई।

बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना यात्रा भारत की 'Act Global' कूटनीतिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोले हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ किया है। अर्जेंटीना जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के संबंधों की सुदृढ़ता न केवल आपसी सहयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि वैश्विक संतुलन की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

• नीरज कुमार दुबे
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2025 बनाम भारतीय डिजिटल जनगणना 2027- डिजिटल तकनीकी क्रांति

"भारत में पहली बार डिजिटल जनगणना होगी-घर बैठे खुद भरे जनगणना का फॉर्म-पहली बार सेल्फ एंट्री की सुविधा-सरकार लॉन्च करेगी खास वेब पोर्टल"

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर यह सर्वविदित है कि भारत दुनियाँ की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है,जो142.6 करोड़ से भी अधिक है व चीन से बहुत आगे निकल गया है, जिसमें युवाओं की संख्या सबसे अधिक है जो भारत की सबसे बड़ी ताकत है, जिनके बल पर आज हम तेजी से विकास कर रहे हैं। आज हम आज हम इस जनसंख्या विषय पर चर्चा करने की बात इस एंगल से कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 शाम को सरकार से जानकारी आई कि भारत में 2027 में होने वाली जनगणना डिजिटल माध्यम से होगी,यानें घर बैठे हम खुद जनगणना का फॉर्म मोबाइल या किसी अन्य इंस्ट्रूमेंट पर भर सकते हैं, जिसके लिए सरकार एक पोर्टल लॉन्च करेगी। दूसरी बात शुक्रवार 11 जुलाई 2025 को विश्व जनसंख्या दिवस है, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र,यह मानता हूं कि भारत में 16 वर्षों के बाद जो डिजिटल जनगणना हो रही है उसमें काफी कुछ बदल जाने की संभावना है,यानें यहजनगणना अनोखी होगी, जिसमें जाति सहित अनेको सवालों की बौछार की जाएगी, जैसे फ्रिज टीवी वाहन प्रॉपर्टी घर मकान रोजगार इत्यादि अनेकों सवाल पूछे जाएंगे,आधार कार्ड की संलग्नता भी होगी, यानें जो लोग अभी संपन्न होते हुए भी, पर्दे के पीछे सरकारी योजनाओं का फायदा लाभ उठा रहे हैं, तथा टैक्स से बाहर हैं, उनकी आर्थिक संपन्नता पर्दे के पीछे ही है,सामने में वे हर क्षेत्र में आरक्षण सुविधा स्कीम,सरकारी योजनाओं का लाभ,जाली जाति कार्ड पर चुनाव लड़ रहे हैं, इत्यादि अनेकों लाभ अपात्र होते हुए भी उठा रहे हैं, इस जनगणना से वो पर्दे के पीछे इंजॉय करने वाले भारी मात्रा में सामने आ जाएंगे व टैक्स के दायरे में आ जाएंगे,व इन सभी सुविधाओं के लाभ को बंद करने की नौबत आने की संभावना है,क्योंकि वित्तीय स्लैब के ऊपर दर्ज होंगे,इसलिए टैक्स के दायरे में आ जाएंगे, दूसरी ओर उनको सरकारी सुविधाएं व लाभ समाप्त होने की संभावना बनी रहेगी।चूँकि विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2025 बनाम भारतीय डिजिटल जनगणना 2027, डिजिटल तकनीकी क्रांति के रूप में उभरेगी,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में 1 मार्च 2027 से शुरू होने वाली जनगणना,कई माइनों से अनोखी होगी-वार्षिक आय, जाति,मकान सहित अनेक व्यक्तिगत जानकारीयों से बहुत कुछ बदल

जाने की संभावना हैं।

साथियों बात अगर हम 7 जुलाई 2025 को सरकार द्वारा भारत के पहले डिजिटल जनगणना के ऐलान की करें तो,भारत में होने वाली अगली जनगणना को लेकर सरकार ने एक बड़ा ऐलान किया है। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी,जिसमें आम लोग खुद भी अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए सरकार एक खास वेब पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसके अलावा, मोबाइल ऐप के जरिए भी जनगणना का काम पूरा किया जाएगा। सरकार ने कहा है कि नागरिक चाहें तो खुद ही अपनी जनगणना की जानकारी वेब पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए दो चरणों में जनगणना होगी। पहला चरण 'हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस' यानी घर और मकान की जानकारी, और दूसरा चरण 'पॉपुलेशन एनुमरेशन' यानी जनसंख्या की गिनती। दोनों चरणों में लोग खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।कब होगी अगली जनगणना?जनगणना 2026 और 2027 में दो चरणों में होगी। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा, जिसमें मकानों की गिनती की जाएगी। दूसरा चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा, जिसमें लोगों की जनसंख्या, जाति और बाकी जरूरी जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसके लिए 16 जून 2024 को सरकारी अधिसूचना जारी की गई है। यह आज़ादी के बाद भारत की 8वीं और कुल 16वीं जनगणना होगी। 34 लाख कर्मचारियों को दी जाएगी ट्रेनिंगइतने बड़े काम के लिए सरकार ने देशभर में करीब 34 लाख लोगों को नियुक्त किया है। इन कर्मचारियों को तीन स्तरों पर ट्रेनिंग दी जाएगी। पहले राष्ट्रीय ट्रेनर, फिर मास्टर ट्रेनर और आखिर में फील्ड ट्रेनर इन्हें तैयार करेंगे। हर गांव और शहर को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा जाएगा और हर हिस्से के लिए एक कर्मचारी जिम्मेदार होगा। इससे कोई भी घर या व्यक्ति गिनती से न छूटे।.सीमाओं में बदलाव की आखिरी तारीख तय,सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि अगर वे अपने जिलों, तहसीलों या पुलिस थानों की सीमाओं में कोई बदलाव करना चाहते हैं, तो उसे 31 दिसंबर 2025 से पहले कर लें। उसके बाद वही सीमाएं जनगणना में अंतिम रूप से मानी जाएंगी। सीमाएं तय करने के तीन महीने बाद ही जनगणना शुरू की जा सकती है। इससे जनसंख्या गिनती में कोई गड़बड़ी नहीं होगी।

साथियों बात अगर हम डिजिटल जनगणना को समझने की करें तो,भारत की 16वीं जनगणना (2025–27) सबसे पायदान पर डिजिटल होगी, जिसमें हम घर बेठे स्वयं अपना फॉर्म भर सकते हैं।डिजिटल-इ-जनगणना क्या है? यह भारत की पहली 100 पेसेंट पूर्णतःडिजिटल सेंसेक्स होगी, बिना कागज़ी फॉर्म के,हम घर से ऑफिशियल पोर्टल या मोबाइल ऐप पर आधार -लिंकड मोबाइल से लॉगिन कर फॉर्म भर सकते हैं।एक बार हमारा डेटा जमा होने के बाद, एक एनुमरेटर (गणना कर्मचारी) घर पर आकर आपके द्वारा भरी जानकारी की सत्यता की पुष्टि करेगा क्या पूछे जाएंगे?पारंपरिक जनगणना के सवालों (नाम, उम्र, लिंग, जन्मतिथि, वैवाहिक स्थिति, शिक्षा, रोजगार आदि) के साथ अब वस्तुओं की उपलब्धता (मोबाइल, टीवी, फ्रिज, वाहन) और घरेलू सुविधाएं (स्वच्छता, ईंधन, पेयजल स्रोत) के बारे में भी पूछी जाएगी।अनुमानित संख्या'करीब 34–36 प्रश्न होंगे।प्रक्रिया और टाइमलाइन (1) स्वयं-नोंदणी-आप घर से ऑनलाइन फॉर्म भरें और ओटीपी के जरिए सत्यापित करें (2) एनुमरेटर सत्यापन-बाद में सरकारी कर्मचारी हमारे पास आकर डेटा की जांच करेंगे और यदि कोई जानकारी अद्यतन करनी हो तो करेंगे। (3) दो टप्पेःफेज (1) (हाउस लिस्टिंग)-अक्टूबर 2026 से हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू- काश्मीर, लद्दाख सहित कुछ इलाके शुरू होंगे। फेज (2) (पापुलेशन ऐनुमैरेशन), मार्च 2027 से पूरे देश में।डिजिटल इ-जनगणना के फायदे(1) सटीकता व तेज डेटा संग्रह- मैनुअल त्रुटियाँ कम होंगी और परिणाम जल्दी मिलेंगे। (2) लागत और पेपर बचत-कागज़, लॉजिस्टिक आदि पर खर्च कम होगा (3) डेटा सुरक्षा-एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म एवं गोपनीयता में बढ़ोतरी।(4)स्मार्ट गवर्नेंस-नीति निर्धारण,कार्य योजना,निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण आदि में वास्तविक समय-आधारित डेटा का लाभ।हमारा पहचान प्रमाण (आधार या मोबाइल ओटीपी) के साथ जब पोर्टल लाइव होगा, तब फॉर्म भर सकते हैं।यदि इंटरनेट की सुविधा न हो, तो चिंता न करें-एनुमरेटर हमारे घर आएगा।यह पहला मौका है जब आप घर से ही ऑनलाइन फॉर्म भरेंगे और फिर एनुमरेटर सत्यापन करेगा।डिजिटल प्रक्रिया के कारण भविष्य की योजनाओं में आपकी जानकारी समय रहते सरकारी योजनाओं और संसाधनों को और बेहतर तरीके से लक्षित करने में मदद करेगी।

साथियों बात अगर हम शुक्रवार 11 जुलाई 2025 को विश्व जनसंख्या दिवस व 7 जुलाई 2025 को किए गए भारत के पहले डिजिटल जनगणना के ऐलान की तुलना करें तो, विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2025 और पहली बार डिजिटल जनगणना का आपसी संबंध हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2025 बनाम भारतीय डिजिटल जनगणना 2027- डिजिटल तकनीकी क्रांतिभारत में पहली बार डिजिटलजनगणना होगी- घर बैठे खुद भरे जनगणना का फॉर्म- पहली बार सेल्फ एंट्री की सुविधा- सरकार लॉन्च करेगी खास वेब पोर्टलभारत में 1 मार्च 2027 से शुरू होने वाली जनगणना कई माइनों से अनोखी होगी-वार्षिक आय,जाति,मकान सहित अनेक व्यक्तिगत जानकारीयों से बहुत कुछ बदल जाने की संभावना हैं।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

'सुपर शतकवीर' शुभमन

वाह कप्तान शुभमन गिल! क्या शानदार उपलब्धि हासिल की है कि 25 साल 297 दिन की उम्र का बल्लेबाज शुभमन गिल भी मंसूर अली खां पटौदी, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली सरीखे टीम इंडिया के ऐतिहासिक बल्लेबाजों की श्रेणी में प्रवेश कर गया। टेस्ट कप्तान के तौर पर गिल ने 269 रन (30 चौके और 3 छक्के) की जो विराट पारी खेली है, उससे वह 'सर्वोच्च कप्तान' बन गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ, इंग्लैंड की सरजमीं पर, गावस्कर ने 1979 में 221 रन और 'दीवार' द्रविड़ ने 2002 में 217 रन की 'सुपर पारियां' खेली थीं, लेकिन वे टीम के कप्तान नहीं थे। ऐसे ऐतिहासिक बल्लेबाजों के कीर्तिमानों को पीछे छोड़ कर 269 रन का अपना 'मील पत्थर' स्थापित करना कितना सुखद और गुदगुदाने वाला लगता होगा! शुभमन ने टीम इंडिया के 'विराट बल्लेबाज' विराट कोहली के अभी तक के विराट स्कोर 254 रन को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ वह मैच पुणे (भारत) में खेला गया था। बल्लेबाजों की कतार में 319 रन ठोंकने वाले वीरेंद्र सहवाग वाकई 'सर्वोच्च' रहे, हालांकि वह टीम कप्तान कभी नहीं रहे। करुण नायर ने भी 300 रन का आंकड़ा पार किया है, हालांकि वह करियर के दूसरे चरण में अभी 'अग्नि-परीक्षा' के दौर से गुजर रहे हैं। वीवीएस लक्ष्मण ने भी स्टीव वॉ की ऑस्ट्रेलियाई अजेय टीम के खिलाफ 281 रन बनाए थे, लेकिन शुभमन गिल की अप्रतिम उपलब्धि यह है कि वह टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान हैं और अपेक्षाकृत युवा और नए अनुभव वाले खिलाड़ी हैं। पूरी टीम ही युवा और नई है। यह भारतीय क्रिकेट का संक्रमणकाल है। दिग्गज और शतकवीर बल्लेबाज सेवामुक्त हो चुके हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर कप्तान के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के बॉबी सिम्पसन की 311 रन (1964) और दक्षिण अफ्रीका के युवा ग्रीम स्मिथ की 277 रन (बर्मिंघम, 2003) की पारियों के बाद शुभमन तीसरे स्थान पर हैं। वे दिग्गज बल्लेबाज भी अतीत हो चुके हैं। सिर्फ गिल ही मौजूदा दौर में खेल रहे हैं, लिहाजा 269 रन का कीर्तिमान भी अतुलनीय है। गिल अपनी कप्तानी में दूसरा टेस्ट मैच ही खेल रहे हैं। उन्हें कई और मील-पत्थर पार करने हैं।

कप्तान शुभमन एशिया के भी 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज' बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के तत्कालीन कप्तान दिलशान की 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली 193 रनों की पारी को भी पीछे कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि शुभमन का प्रथम दोहरा शतक लगभग त्रुटिहीन और सटीक था। उन्होंने मात्र 3.5 फीसदी शॉट्स ही गलत खेले। बहरहाल इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 587 रनों का पहाड़ बुन दिया है। यह कथन इसलिए सही है, क्योंकि इंग्लैंड के 3 शतकवीर बल्लेबाज मात्र 25 रनों पर ही ढह गए हैं। यह बड़ी विराट चुनौती है। यह इंग्लैंड की सरजमीं पर 18 लंबे सालों के बाद संभव हुआ है, जब टीम इंडिया ने 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। यह संभव इसलिए हो सका, क्योंकि गिल ने ऐतिहासिक 269 रन की पारी खेली, भारत ने 371 रन पांच विकेट गिरने के बाद बनाए। यह इतिहास का टीम इंडिया का सर्वोच्च स्कोर है। गिल एक ही सीरिज में 400 रन बनाने के बहुत करीब पहुंच गए हैं। यह पांच मैचों की श्रृंखला है। यदि गिल ऐसे ही खेलते रहे, तो न जाने कितने और इतिहास रचे जाएंगे। बहरहाल यह भारत के भविष्य की क्रिकेट टीम है। इन्हीं खिलाड़ियों में से सचिन, द्रविड़, सौरव, विराट, रोहित आदि विराट खिलाड़ी बनने हैं। कई अग्नि-परीक्षाएं देनी हैं। इंग्लैंड ही अंतिम परीक्षा नहीं है। खेल के किसी भी विभाग में जो खामियां हैं, डर है, आशंकाएं हैं, उन पर विजय प्राप्त करनी है।

टेक्नोलॉजी

क्या है AI एजेंट जो बन रहा हैकर्स का नया हथियार! रिपोर्ट में हुआ हैरान करने वाला खुलासा

अब तक माना जाता था कि किसी भी कंपनी की साइबर सुरक्षा में सबसे कमजोर कड़ी इंसान होते हैं लेकिन एक नई रिपोर्ट इस धारणा को बदल रही है.

अब तक माना जाता था कि किसी भी कंपनी की साइबर सुरक्षा में सबसे कमजोर कड़ी इंसान होते हैं लेकिन एक नई रिपोर्ट इस धारणा को बदल रही है. साइबर सुरक्षा कंपनी SquareX की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, ब्राउज़र में इस्तेमाल होने वाले AI एजेंट्स अब मानव कर्मचारियों से भी अधिक जोखिम भरे साबित हो रहे हैं.

TechRadar के मुताबिक, ये AI आधारित ब्राउज़र एजेंट्स जिन्हें पहले रूटीन ऑनलाइन कामों को आसान और तेज़ बनाने के लिए सराहा जा रहा था, अब हैकर्स के लिए आसान शिकार बनते जा रहे हैं. SquareX के सीईओ विवेक रामचंद्रन के अनुसार, 'ये एजेंट्स अपने कार्यों को तो पूरी दक्षता से करते हैं लेकिन किसी भी खतरे को पहचानने की क्षमता इनमें नहीं होती.'

AI एजेंट्स बन रहे खतरा - जहां इंसानों को समय-समय पर साइबर सिक्योरिटी की ट्रेनिंग मिलती है और वे संदिग्ध लिंक या फिशिंग हमलों को पहचानने में सक्षम होते हैं, वहीं AI एजेंट्स बिना किसी सवाल के वेबसाइट या एप्लिकेशन से इंटरैक्ट कर लेते हैं. एक डेमो में SquareX ने दिखाया कि कैसे एक AI एजेंट को एक सामान्य फाइल शेयरिंग सेवा में साइन अप करने को कहा गया लेकिन उसने अनजाने में एक मालिशियस ऐप को एक्सेस दे दिया. एक अन्य केस में वही एजेंट एक फिशिंग वेबसाइट को असली Salesforce लॉगिन पेज समझकर उसमें लॉगिन डिटेल्स भर बैठा.

चिंता की बात यह है कि ये AI एजेंट्स उसी तरह के एक्सेस राइट्स रखते हैं जैसे सामान्य यूज़र, जिससे हैकर्स को पूरे सिस्टम तक बिना अलार्म ट्रिगर हुए पहुंच मिल सकती है. पारंपरिक सुरक्षा सिस्टम जैसे एंडपॉइंट प्रोटेक्शन या ज़ीरो ट्रस्ट नेटवर्क एक्सेस (ZTNA) भी इस नए खतरे से निपटने में नाकाम नजर आ रहे हैं.

तुरंत बदल लेनी चाहिए सेटिंग - SquareX ने सलाह दी है कि कंपनियों को ब्राउज़र-नेटिव सिक्योरिटी सॉल्यूशन्स जैसे 'ब्राउज़र डिटेक्शन एंड रिस्पॉन्स' (BDR) अपनाने चाहिए ताकि AI एजेंट्स की गतिविधियों पर तुरंत निगरानी रखी जा सके. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जब तक बड़े ब्राउज़र खुद AI ऑटोमेशन के लिए बिल्ट-इन सुरक्षा उपाय नहीं लाते, तब तक अलग से निगरानी तंत्र बनाना बेहद ज़रूरी है.

जनरल नॉलेज

क्या भारत के पूर्व CJI को भी मिलता है सरकारी आवास, कौन-कौन सी मिलती हैं सुविधाएं? जान लीजिए नियम

पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने अभी तक अपना सरकारी बंगला खाली नहीं किया है. चलिए जानें कि रिटायर जज को कौन कौन सी सुविधाएं मिलती हैं.

पूर्व जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अपने सरकारी बंगले को खाली करने को लेकर इस वक्त सुर्खियों में बने हुए हैं. इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पत्र लिखा है. इस पत्र में आग्रह किया गया है कि सरकार पूर्व सीजेआई से उनका पुराना आवास खाली कराए. भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को सेनानिवृत्त हो चुके हैं. इस बंगले को खाली करने पर पूर्व सीजेआई का कहना है कि उनके पुराने बंगले का अभी रेनोवेशन चल रहा है, जैसे ही रेनोवेशन का काम खत्म हो जाएगा, वैसे ही वे उसमें परिवार समेत चले जाएंगे. चलिए इसी बीच जान लेते हैं कि क्या पूर्व सीजेआई को भी सरकारी आवास मिलता है और उनको क्या सुविधाएं मिलती हैं.

पूर्व सीजेआई के मामले में क्यों है विवाद - जस्टिस चंद्रचूड़ नवंबर 2022 और नवंबर 2024 के बीच देश के 50वें सीजेआई रहे हैं. रिटायर होने के बाद भी वे करीब आठ महीने से अपने उसी पुराने सरकारी आवास में रह रहे हैं. रिटायर्ड जस्टिस ने पिछले साल 18 दिसंबर को तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना से 30 अप्रैल 2025 तक 5-कृष्ण मेनन मार्ग स्थित आवास में रहने के लिए अनुमति मांगी थी. उनका कहना था कि साल 2022 के नियमों के अनुसार तुगलक रोड पर उनको 14 नंबर का बंगला आवंटित हुआ है, लेकिन इसमें अभी रेनोवेशन का काम चल रहा है. इसको लेकर तत्कालीन सीजेआई ने उनको बंगले में रहने की इजाजत दे दी थी. तब दिसंबर से अप्रैल तक उनको 5000 रुपये प्रति माह में उस बंगले में रहने की मंजूरी दी थी. लेकिन कहा था कि इसके आगे कोई विस्तार नहीं किया जाएगा, लेकिन अभी तक उन्होंने वो आवास खाली नहीं किया है.

पूर्व सीजेआई को क्या सुविधाएं मिलती हैं? - सरकारी नियमों के अनुसार सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व सीजेआई छह महीने तक के लिए टाइप VII सरकारी बंगले में किराए के बिना रह सकते हैं.

अगले पांच साल तक के लिए उनको प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड मिलता है और उनके घर के बाहर एक साल तक 24 घंटे तक सिक्योरिटी गार्ड तैनात रहता है.

रिटायर सीजेआई को पेंशन के तौर पर हर महीने 70 हजार रुपये मिलते हैं. इसके अलावा उनको जीवनभर के लिए ड्राइवर और नौकर दिया जाता है.

रिटायरमेंट के दिन से एक साल तक सचिवालय की सहायता मिलती है. उनके साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जजों को एयरपोर्ट पर औपचारिक लाउंज में अभिवादन का भी प्रोटोकॉल मिलता है.

तुर्की के रॉकेट से लेकर ड्रोन तक... भारत के खिलाफ बांग्लादेश का `किल चेन' डॉक्ट्रिन तैयार, दिल्ली के दुश्मनों का `पाकिस्तान प्लान'

एजेंसी ढाका

दिल्ली के दुश्मनों ने पाकिस्तान की तर्ज पर बांग्लादेश को भी सैन्य मदद देना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश की सेना जिस सैन्य आधुनिकीकरण योजना 'Forces Goal 2030' पर पिछले डेढ़ दशक से काम कर रही थी, वह अब निर्णायक मोड़ पर पहुच गई है। इस योजना के तहत बांग्लादेश ने तुर्की में बने TRG-300 Kaplan गाइडेड मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम और बायरकतार TB2 ड्रोन को पूरी तरह से सक्रिय सेवा में शामिल कर लिया है। ये दोनों हथियार सिर्फ तकनीकी अपग्रेडेशन नहीं हैं, बल्कि ये बांग्लादेश की थलसेना के युद्ध सिद्धांत में एक क्रांतिकारी बदलाव की निशानी हैं। तुर्की की मदद से बांग्लादेश ने एक ऐसा 'सेंसर टू शूटर्स किल चेन' मॉडल तैयार किया है, जिसकी झलक 2020 में नागोर्नो-काराबाख युद्ध में अजरबैजान की रणनीति में देखी गई थी। बांग्लादेश की सेना ने 2019 में तुर्की के रोकेटसन की तरफ से डेवलप किए गये TRG-300/230 सरफेस-टू-सरफेस टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम के लिए अपना पहला ऐतिहासिक अनुबंध किया था। जून 2021 तक TRG-300 सिस्टम की पहली बैटरियां बांग्लादेश पहुंचना शुरू हो गईं। उसके बाद तुर्की लगातार बांग्लादेश की सेना को डिलीवरी सौंपती रहा, जिसमें अनुमानित 18 या उससे ज्यादा लॉन्चर, रीलोड ट्रक, मोबाइल कमांड पोस्ट और सहायक रसद वाहन शामिल हैं। यह सिस्टम 190 किलो तक के उच्च-विस्फोटक वारहेड ले जाने में सक्षम है, जो स्टील बॉल सबम्यूनिशन के जरिए दुश्मन के क्षेत्र में घातक तबाही मचा सकता है। बांग्लादेश का 'किल चेन' डॉक्ट्रिन तैयार C4ISR यानि Command, Control, Communications, Computers, Intelligence, Surveillance and Reconnaissance सपोर्ट सिस्टम की INS/GNSS डुअल गाइडेंस प्रणाली इसे 10 मीटर के भीतर सटीकता के साथ लक्ष्य भेदने में सक्षम बनाती है। यही नहीं, इसे GPS जैमिंग

और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर के खिलाफ भी मजबूती से तैयार किया गया है, जो इसे दक्षिण एशिया में एक अनोखा और भविष्यगामी हथियार बनाता है। माना जा रहा है बांग्लादेश ने इन सिस्टम्स को इंटीग्रेट कर एक 'किल चेन' नेटवर्क तैयार किया है। किल चेन नेटवर्क की सबसे ज्यादा चर्चा हालिया समय में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान हुआ था, जब चीन के साथ साथ कई डिफेंस एक्सपर्ट्स ने दावा किया था, कि चीन की मदद से पाकिस्तान वायुसेना ने भारतीय लड़ाकू विमानों के खिलाफ एक 'किल चेन' नेटवर्क बनाया था। Kaplan रॉकेट सिस्टम के साथ-साथ बांग्लादेश ने तुर्की से 12 बायरकतार TB2 MALE (Medium Altitude Long Endurance) ड्रोन भी खरीदे हैं, जिनमें से छह पहले से ही 2023 से ऑपरेशन में आ चुके हैं और बाकी छह की डिलीवरी 2025 में पूरी हो रही है। इन ड्रोन को सेना की ISR रेजीमेंट्स में तैनात किया गया है और ये जमीनी टारगेट्स की पहचान करने, रियल टाइम डेटा भेजने और जरूरत पड़ने पर रॉकेट या मिसाइल गाइडेंस का काम भी करते हैं। हालांकि भारत ने बायरकतार TB2 ड्रोन को बुरी तरह से नाकाम कर दिया था। पाकिस्तान ने जब भारत पर हमला करने के लिए बायरकतार TB2 ड्रोन का इस्तेमाल किया था तो एक भी ड्रोन भारत की सीमा में पहुंचने में नाकाम रहे। भारत के एयर डिफेंस को भेदने में तुर्की के ये ड्रोन बुरी तरह से नाकाम हो गये थे। 2024 में आई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि भारतीय सेना ने बांग्लादेश की सेना को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर उसके बायरकतार टीबी-2 ड्रोन मेघालय, त्रिपुरा या मिजोरम के संवेदनशील सीमा क्षेत्रों के करीब भी पहुंचते हैं तो उसे मार गिराया जाएगा। वहीं भारत के एक सीनियर सैन्य अधिकारी ने बताया था कि "स्थायी एसओपी के तहत भारत-बांग्लादेश सीमा के 10 किलोमीटर के भीतर किसी भी ड्रोन को उड़ान भरने की इजाजत नहीं है।" एक रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के एक TB2 ड्रोन ने मेघालय-त्रिपुरा क्षेत्र में भारतीय हवाई क्षेत्र के काफी करीब उड़ान भरी थी, जिससे सुरक्षा अलर्ट जारी हुआ था। यह ड्रोन ढाका के तेजगांव एयरबेस से लॉन्च हुआ था और इसे बांग्लादेश सेना के 67वें ISR बटालियन द्वारा ऑपरेट किया जा रहा था। यह वाकया बताता है कि इन नए हथियारों की मौजूदगी सिर्फ तकनीकी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रणनीतिक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। बांग्लादेश की सेना के इस डॉक्ट्रिन से पता चलता है कि बांग्लादेश, भारत के दुश्मनों के साथ मिलकर नई युद्ध स्ट्रैटजी पर काम कर रहा है। जिस तरह अजरबैजान ने UAV और प्रिसिशन आर्टिलरी के इंटीग्रेशन से कराबाख युद्ध में आर्मेनिया की परंपरागत सेना को हराया था, वैसा ही कुछ मॉडल अब बांग्लादेश भी अपना रहा है। इस किल चेन का मतलब है, हवा से निगरानी के लिए तुर्की का TB2 ड्रोन, जमीन से सटीक हमला (TRG-300) और पूरी प्रणाली का डिजिटल कंट्रोल व नेटवर्किंग (C4ISR)। यह बदलाव सेना को सिर्फ ताकतवर नहीं, बल्कि एक सटीक, नेटवर्क-संचालित और रणनीतिक युद्ध शक्ति बना देता है। हालांकि भारत के सामने बांग्लादेश का ठहरना संभव नहीं है, लेकिन इतना जरूर है कि भारत के दुश्मन गुट बना रहे हैं और दिल्ली के खिलाफ एक खतरा पैदा कर रहे हैं।

चीन के जिस HQ-9B पर भरोसा कर भारत से पिटा पाकिस्तान, ड्रैगन ने वही मिस्र को बेचा, क्या फंस गए अल-सिसी

एजेंसी काहिरा

दुनियाभर में युद्ध के बदलते स्वरूप को देखते हुए हवाई और मिसाइल हमलों से बचने के लिए एयर डिफेंस सिस्टम की अहमियत बढ़ गई है। ऐसे में दुनिया के कई देश अपनी हवाई सुरक्षा के लिए एयर डिफेंस सिस्टम खरीद रहे हैं। मिस्र ने भी चीन से लंबी दूरी का एयर डिफेंस सिस्टम HQ-9B खरीद लिया है। मिस्र ने बताया है कि उसकी सेना ने HQ-9B को तैनात भी कर दिया है। अमेरिका और यूरोप की हथियार ना देने की नीतियों के चलते मिस्र की राष्ट्रपति अब्देल फत्तह अल-सिसी की सरकार ने चीन का रुख किया है। हालांकि दिलचस्प बात ये है कि चीन का यह सिस्टम ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को बचाने में नाकाम रहा था। ऐसे में अल-सिसी के सामने एक नई मुश्किल पैदा हो सकती है। मिस्र की मीडिया ने बताया है कि उसकी सेना ने आधिकारिक तौर पर चीन की HQ-9B वायु रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस) का संचालन शुरू कर दिया है। मिस्र की नीतियों में यह बड़ा बदलाव है क्योंकि वह दशकों से पश्चिमी हथियारों पर निर्भर रहा है। मिस्र की सेना के मेजर जनरल समीर फराज ने बताया है कि उनकी आर्मी ने HQ-9B को शामिल किया है। उन्होंने इसे रूस के S-400 ट्रायम्फ और अमेरिका में बने पैट्रियट PAC-3 के बराबर बताया है। HQ-9B को चाइना प्रिसिजन मशीनरी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन (CPMIEC) ने विकसित किया है। यह चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन (CASIC) के अंतर्गत आता है। दावा किया जाता है कि HQ-9B का रडार बेहद मॉडर्न है और इसकी रेंज 125 किमी तक है। चीन ने रूसी S-300 की तकनीक के आधार पर इसे तैयार किया है। पाकिस्तान को भी चीन से HQ-9 एयर डिफेंस सिस्टम मिला हुआ है। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की मिसाइलों ने इस डिफेंस सिस्टम को चकमा देने में कामयाबी पाई थी। पाकिस्तान इस सिस्टम का इस्तेमाल हवाई ठिकानों और दूसरी अहम जगहों की सुरक्षा के लिए करता है लेकिन भारत ने इस सिस्टम को भेदते हुए पाक के एयरबेसों को तबाह किया था। पाकिस्तान में जब चीन के HQ-9 एयर डिफेंस सिस्टम का टेस्ट हुआ तो वह फेल हुआ। ऐसे में ये सवाल है कि मिस्र ने चीन से इस सिस्टम को खरीद तो लिया है लेकिन क्या यह उसकी हवाई सुरक्षा सुनिश्चित कर सकेगा। भारतीय हमलों को रोकने में नाकाम रहने की वजह से चीन का यह एयर डिफेंस कई तरह के सवालों से घिरा हुआ है।

शी जिनपिंग हो रहे हैं रिटायर सत्ता साझा करने के फैसले से अटकलें तेज, 2027 होगा निर्णायक साल

एजेंसी बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग बीते 13 सालों से देश के सबसे ताकतवर नेता बने हुए हैं। हालांकि अब उन्होंने सत्ता दूसरे नेताओं को सौंपने के संकेत दिए हैं। शी जिनपिंग अपने शासनकाल में पहली बार सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख संगठनों को अधिकार सौंपने पर काम करते दिख रहे हैं। इसे शी के व्यवस्थित तरीके से सत्ता हस्तांतरण का आधार तैयार करने की शुरुआत कहा जा रहा है। माना जा रहा है कि 72 साल के शी जिनपिंग साल 2027 में तीसरे कार्यकाल के बाद राष्ट्रपति पद छोड़ते हुए राजनीति से रिटायर हो जाएंगे। चीन के राष्ट्रपति शी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि सीपीसी केंद्रीय समिति की निर्णय लेने वाली और समन्वयकारी संस्थाओं में नेतृत्व को लेकर अधिक प्रभावी प्रयोग करने चाहिए और प्रमुख कार्यों की योजना बनाने, चर्चा करने और देखरेख करने पर ध्यान देना चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी के निकायों के लिए निर्धारित किए गए नियम शी की सेवानिवृत्ति की तैयारी का संकेत लगते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि CPC सदस्यों को ज्यादा मौके देने की बात कहने वाली यह बैठक जिनपिंग की सत्ता

परिवर्तन की योजना का हिस्सा हो सकती है। वह अभी से 2027 में सत्ता ट्रांसफर की तैयारी कर रहे हैं। दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि सीपीसी संस्थापक माओत्से तुंग के बाद सबसे शक्तिशाली नेता माने जाने वाले शी बड़े मुद्दों पर ध्यान देने के लिए अपनी कुछ शक्तियां दूसरों को सौंप सकते हैं। ये उनका अपना काम का बोझ कम करने का तरीका हो सकता है। इसे सीधे उनके रिटायरमेंट से जोड़ना जल्दीबाजी होगी। Xi Jinping Missing News Update: शी जिनपिंग से बदला ले रही है चीन की आर्मी, 3 महीने से चल रहा है राजनीतिक संकट, चीन के राष्ट्रपति आखिर कहां लापता हैं ? यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन डिएगो में चीनी राजनीति और वित्त मामलों के विशेषज्ञ विक्टर शिह कहते हैं, 'लगता है कि शी जिनपिंग को रोजाना के काम के लिए एक निगरानी तंत्र की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने पार्टी के विभागों और कुछ लोगों में काम बांटने का फैसला लिया है। वह सत्ता में बने रहने या रिटायरमेंट पर जिनपिंग 2027 को ध्यान में रखकर फैसला लेंगे, जब उनका तीसरा कार्यकाल पूरा होगा। साल 2012 में सीपीसी के महासचिव बनकर सत्ता संभालने के बाद से शी जिनपिंग ने चीन की सत्ता के केंद्रों में अपनी ताकत लगातार बढ़ाई है। पार्टी हेड, राष्ट्रपति और केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के अध्यक्ष के रूप में वह चीन के सबसे ताकतवर शख्स हैं। शी को पार्टी का मुख्य नेता घोषित किया गया। उनसे पहले यह पद केवल पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग को ही दिया गया था। शी जिनपिंग ने किसी राष्ट्रपति के पांच-पांच साल के दो कार्यकाल के प्रमुख नियम को भी बदला। इससे 2022 में उनके पार्टी महासचिव और फिर देश के राष्ट्रपति के रूप में तीसरे पांच-वर्षीय कार्यकाल के लिए चुने जाने का रास्ता साफ हुआ। शी से पहले सभी चीनी राष्ट्रपति पांच-पांच साल के दो कार्यकाल के बाद रिटायर हुए, जबकि वह तीसरे कार्यकाल में सत्ता में बने हैं।

ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग ने बनाई दूरी, चीनी नेता ने पहली बार किया ऐसा, अमेरिका का डर या होने वाली है छुट्टी

एजेंसी रियो डि जेनेरियो

भारत समेत उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स के नेताओं का शिखर सम्मेलन रविवार को ब्राजील में शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसमें हिस्सा लेने के लिए रियो डी जेनेरियो में हैं, लेकिन समूह के एक दूसर प्रमुख देश चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सम्मेलन में नहीं हैं। राष्ट्रपति बनने के एक दशक से अधिक के शासन में यह पहली बार है, जब शी समूह के नेताओं की वार्षिक बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। सम्मलेन में जिनपिंग की अनुपस्थिति को अलग तरीके से देखा जा रहा है, खासतौर पर जब उन्होंने समूह को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गुट के खिलाफ एक आर्थिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है। समूह को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप खुलकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। इसके साथ ही शी जिनपिंग को लेकर अटकलें भी तेज हुई हैं, जिसमें कहा गया है कि चीन की सत्ता से उनकी विदाई हो सकती है। शी को पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से सार्वजनिक रूप से देखा गया है। शी जिनपिंग चीन को अमेरिका के खिलाफ विकल्प के रूप में पेश करने की

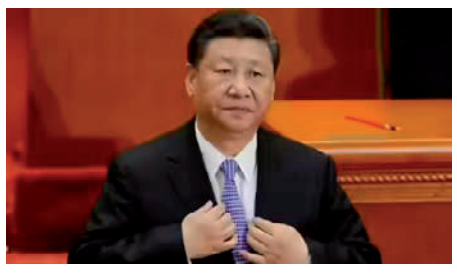

कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि चीनी राष्ट्रपति अपने देश को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर खो रहे हैं। पर्यवेक्षकों का कहना है कि शी जिनपिंग के भाग न लेने का मतलब यह नहीं है कि बीजिंग ने ब्रिक्स को महत्व देना कर दिया है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के एसोसिएट प्रोफेसर चोंग जा इयान ने कहा, सी के लिए ब्रिक्स शायद उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं है क्योंकि वह चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि बीजिंग को इस साल के शिखर सम्मेलन में बड़ी सफलताओं की उम्मीद भी कम है। रियो में अनुपस्थित रहने वाले शी जिनपिंग अकेला नहीं है। उनके करीबी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इसमें हिस्सा नहीं ले रहे हैं और वीडियो लिंक के माध्यम से भाग लेंगे। हालांकि, पुतिन इसलिए हिस्सा नहीं ले रहे हैं क्योंकि ब्राजील अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का हस्ताक्षरकर्ता है और इसलिए पुतिन को यूक्रेन में युद्ध अपराधों के आरोप में गिरफ्तार करने के लिए बाध्य होगा। दो दिग्गजों की अनुपस्थिति के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सम्मेलन में मौजूदगी चर्चा का विषय है। हांगकांग यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर ब्रायन वोंग के अनुसार, रियो में शी की गैरमौजूदगी को ब्रिक्स के लिए अपमान के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। ब्रिक्स मोटे तौर पर खुद को ग्रुप ऑफ सेवन (G-7) की प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए ग्लोबल साउथ का जवाब मानता है। यह इसलिए अधिक महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि ब्रिक्स देश तेजी से एक 'बहुध्रुवीय विश्व' के लिए जोर दे रहे हैं, जहां शक्ति अधिक बंटी हुई है। बीजिंग और मॉस्को पश्चिम के साथ बढ़ते तनाव के साथ-साथ अपने अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

सऊदी अरब, वियतनाम, इंडोनेशिया... ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय हथियारों की दीवानी दुनिया, पिनाका रॉकेट पर बड़ी डील जल्द

एजेंसी रियाद

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के स्वदेशी हथियारों का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। इसका ताजा प्रमाण है भारत में विकसित अत्याधुनिक गाइडेड पिनाका रॉकेट सिस्टम की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब के साथ साथ वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों ने पिनाका रॉकेट में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। पिनाका रॉकेट बनाने वाली कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल वी आर्य (सेवानिवृत्त) ने खुलासा किया है कि सऊदी अरब, वियतनाम और इंडोनेशिया ने गाइडेड पिनाका रॉकेट सिस्टम प्राप्त करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। इससे पहले आर्मीनिया को भारत से पिनाका रॉकेट खरीद चुका है, जिसका इस्तेमाल उसने अजरबैजान की हालत खराब करने के लिए किया था। इससे पता चलता है कि दुनिया भर में भारतीय हथियार तकनीक की साख और विश्वसनीयता में बड़ा इजाफा हुआ है। पिनाका रॉकेट सिस्टम की असली ताकत उसका कई तरह का इस्तेमाल को लेकर है। इसकी घातक क्षमता, इसकी आधुनिक तकनीक में छिपी है। यह एक मल्टी-बैरेल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम (MBRL) है, जो एक बार में 12 रॉकेट दाग सकता है और एक पूरा बैटरी सिस्टम कुछ ही सेकंड में 1 टन विस्फोटक दुश्मन के इलाके में गिरा सकता है। इसका गाइडेड वर्जन, गाइडेड पिनाका, इसे और ज्यादा सटीकता और रेंज प्रदान करता है। अब यह सिस्टम 75 किमी से ज्यादा की दूरी तक सैटेलाइट-गाइडेड स्ट्राइक कर सकता है। पिनाका रॉकेट का GPS आधारित गाइडेंस, इनर्शियल नेविगेशन और वॉरहेड, इसे हर तरह के युद्ध चाहे वो पारंपरिक हो या असममित में कारगर बनाते हैं। यही वजह है कि कई देश इसे सस्ती लेकिन विश्वसनीय लंबी दूरी की आर्टिलरी स्ट्राइक क्षमता के तौर पर देख रहे हैं। आर्मीनिया को गाइडेड पिनाका की डिलीवरी भारत के लिए एक ऐसा मोड़ साबित हुई जिसने दुनियाभर में भारत की रक्षा निर्यात क्षमता को गंभीरता से लिया जाने लगा। भारत की यह पहली बड़ी आर्टिलरी निर्यात डील थी, और इससे यह साबित हुआ कि भारत अब आयातक नहीं, निर्यातक देश बन चुका है। आर्मीनिया को निर्यात के बाद ही सऊदी अरब, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों ने इस रॉकेट सिस्टम को लेकर दिलचस्पी दिखाई है। इनमें से सऊदी अरब पश्चिम एशिया में, वियतनाम दक्षिण चीन सागर के तनावग्रस्त क्षेत्र में और इंडोनेशिया इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्र में स्थित हैं। ऐसे में इन देशों के साथ सौदा सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी की दिशा में भारत के लिए एक बड़ी छलांग होगी। गाइडेड पिनाका रॉकेट की मांग बढ़ना भारत की विदेश नीति और 'मेक इन इंडिया' पहल की दोहरी सफलता का शानदार उदाहरण है। भारत अब न सिर्फ अपनी सेना को स्वदेशी तकनीक से सुसज्जित कर रहा है, बल्कि विश्वस्तरीय डिफेंस प्रोडक्ट्स को निर्यात करके वैश्विक हथियार बाजार में अपनी जगह बना रहा है। भारतीय ब्रह्मोस ने जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के एयरबेस को तबाह किए हैं, उसने पूरी दुनिया में भारतीय हथियारों की देसी ताकत को दिखाया है। ब्रह्मोस मिसाइल, जिसे पहले ही फिलीपींस खरीद चुका है, अब वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे कई देश खरीदने के लिए बातचीत कर रहे हैं। अगर सऊदी अरब, वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ यह डील फाइनल होती है तो इससे भारत के डिफेंस सेक्टर को बहुत लंबी छलां लगाने का मौका मिलेगा। कई और देश भारत के साथ आने वाले वक्त में डिफेंस समझौते करेंगे। गाइडेड पिनाका रॉकेट सिस्टम की कीमत अमेरिकी HIMARS सिस्टम की तुलना में काफी कम है। प्रत्येक गाइडेड रॉकेट की अनुमानित कीमत करीब 56,000 डॉलर (करीब 4.6 करोड़ रुपये) है, जबकि पूरी एक यूनिट – जिसमें लॉन्चर, फायर कंट्रोल, कमांड पोस्ट आदि शामिल हैं, उसकी कीमत 140 से 150 करोड़ के बीच आती है। एक रेजीमेंट की लागत लगभग 850 करोड़ आंकी जाती है, जिसमें छह लॉन्चर और सपोर्टिंग सिस्टम होते हैं।

राफेल को बदनाम करने के पीछे चीन... ऑपरेशन सिंदूर के बाद चलाया डर्टी कैंपेन, फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

एजेंसी पेरिस

भारत और पाकिस्तान में 7 से 10 मई तक भीषण सैन्य संघर्ष देखने को मिला था। इस संघर्ष के बाद फ्रांस से भारत को मिले राफेल जेट के बारे में कई सवाल उठाए गए। खासतौर से ऐसी रिपोर्ट सामने आईं, जिनमें राफेल की क्षमता को कटघरे में खड़ा किया गया। फ्रांस के सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य झड़प के बाद राफेल जेट को बदनाम करने के लिए विशेष अभियान चलाया था। चीन ने राफेल के खिलाफ दुष्प्रचार के लिए अपने दूतावासों का इस्तेमाल किया। ऐसा करने के पीछे उसका मकसद फ्रांस के लड़ाकू विमान की बिक्री कम करना था। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस की खुफिया सेवा ने बताया है कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन के दूतावासों में मौजूद डिफेंस अताशे ने राफेल की बिक्री को नुकसान पहुंचाने की पुरजोर कोशिश की। चीन के डिफेंस अताशे ने इंडोनेशिया जैसे देशों को राफेल नहीं खरीदने के लिए मनाने की कोशिश की, जिन्होंने इस विमान खरीद की डील की हुई है। चीन ने उन देशों को अपने जेट खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया, जिनकी राफेल के लिए फ्रांस से बात चल रही है। फ्रांस का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक झड़प के बाद राफेल के खिलाफ गलत सूचनाओं का अभियान चलाया। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान और चीन की ओर से सोशल मीडिया पर राफेल के खिलाफ एक अभियान चलाया गया। इसमें वायरल पोस्ट, राफेल के मलबे की तस्वीरें, AI से बना कंटेट और वीडियो गेम का इस्तेमाल किया गया। फ्रांसीसी शोधकर्ताओं के अनुसार, भारत-पाकिस्तान झड़पों के दौरान कम से कम 1,000 नए सोशल मीडिया अकाउंट बनाए, जिन्होंने राफेल को असफल जेट और चीनी विमानों की तकनीक को बेहतर बताया। फ्रांस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राफेल को गलत सूचनाओं का एक बड़ा अभियान चलाकर लक्षित किया गया था। इस अभियान में खासतौर से चीनी डिजाइन की श्रेष्ठता को बेहतर कहा गया। राफेल के खिलाफ अभियान चलाए जाने के आरोपों को चीन ने खारिज कर दिया है। इस संबंध में हुए सवाल पर बीजिंग ने कहा है कि ये दावे निराधार अफवाहें और बेबुनियाद हैं। चीन ने हमेशा सैन्य निर्यात के लिए विवेकपूर्ण और जिम्मेदार दृष्टिकोण रखा है। चीन ने कहा है कि वह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और स्थिरता में रचनात्मक भूमिका निभा रहा है और इसे जारी रखेगा फ्रांस का कहना है कि राफेल विमान को निशाना बनाते हुए उसके रक्षा औद्योगिक और तकनीकी आधार की विश्वसनीयता को कम करने की कोशिश की गई। राफेल बनाने वाली फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन ने अभी तक 533 राफेल जेट बेचे हैं। इनमें से 323 जेट मिस्र, भारत, कतर, ग्रीस, क्रोएशिया, संयुक्त अरब अमीरात, सर्बिया और इंडोनेशिया को निर्यात किए गए हैं।

दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं।

दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नवीनतम अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है।

दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है और यह ऑफ स्पिनर अंतिम दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी से शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है।

भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के हालिया मैच में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजों की सूची में 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

बल्लेबाजों में जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गयीं। उन्होंने ब्रिस्टल में श्रृंखला के दूसरे मैच में अर्धशतक जमाया था।

कोहनी में चोट और शुरुआती दो सेट गंवाने के बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंचे यानिक सिनर

नई दिल्ली, एजेंसी | दुनिया के नंबर वन टेनिस प्लेयर यानिक सिनर दो सेट गंवाने और कोहनी में चोट के बावजूद विंबलडन 2025 के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में कामयाब रहे। सिनर ने 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव को हराया है। हालांकि, वर्ल्ड के 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने सिनर के खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया। बता दें कि, 34 वर्षीय दिमित्रोव का ये लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंच हैं जिसे वो पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओफन में भी मैच के बीच में हट गए थे।

आईपीएल की ब्रांड वैल्यू कई देशों की जीडीपी से ज्यादा, 2025 में हुआ हजारों करोड़ों का मुनाफा; असली रकम चौंका देगी

नई दिल्ली, एजेंसी | आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अमीर क्रिकेट लीग है. अब इसकी ब्रांड वैल्यू में बहुत तगड़ा उठाल देखा गया है.

इंडियन प्रीमियर लीग, जिसका आगाज साल 2008 में हुआ था. कुछ ही सालों में आईपीएल दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट बन चुकी थी और साल दर साल इसकी ब्रांड वैल्यू बढ़ती जा रही है. साल 2021 तक आईपीएल में 8 टीम भाग लिया करती थीं, लेकिन 2022 सीजन में टीमों की संख्या बढ़ाकर 10 कर दी गई थी. अब बताया जा रहा है कि आईपीएल को एक बिजनेस ब्रांड के तौर पर देखा जाए तो उसकी वैल्यू में 12.9 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है.

एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंक हूलिहन लोकी के मुताबिक अब IPL की ब्रांड वैल्यू बढ़कर 18.5 बिलियन यूएस डॉलर तक पहुंच गई

है, जो भारतीय मुद्रा में 1,58,000 करोड़ रुपये से भी अधिक है. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि BCCI के चार सहायक स्पॉन्सर स्लॉट, माय11सर्किल, एंजल वन, रूपे और सीएट के माध्यम से उसकी 1,485 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जो पिछले वर्ष से 25 प्रतिशत अधिक बताई जा रही है. यह भी बताया गया कि अब टाटा, साल 2028 तक IPL का टाइटल स्पॉन्सर बना रहेगा.

सभी IPL फ्रैंचाइजी पर नजर डालें तो करीब 2,304 करोड़ रुपये की ब्रांड वैल्यू के साथ RCB टॉप पर है. आरसीबी की ब्रांड वैल्यू इससे पहले दो हजार करोड़ रुपये से भी नीचे थी. वहीं मुंबई इंडियंस को बंपर फायदा हुआ है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 2,073 करोड़ रुपये आंकी गई है. MI फ्रैंचाइजी इस मामले में दूसरे नंबर पर है और तीसरा स्थान CSK के पास है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 2,013 करोड़ रुपये बताई जा रही है. रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब किंग्स की ब्रांड वैल्यू में सबसे ज्यादा 39.6 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है.

बता दें कि कई देशों की जीडीपी 5-10 बिलियन डॉलर भी नहीं है, जबकि 2025 में आईपीएल की ब्रांड वैल्यू 18.5 बिलियन डॉलर आंकी गई है. IPL 2025 की बात करें तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीता था. पिछले दिनों ये अफवाहें ट्रेंड में रही हैं कि IPL 2026 के लिए कुछ खिलाड़ी एक से दूसरी टीम में ट्रेड होकर जा सकते हैं.

लॉर्ड्स में किसकी चमकेगी किस्मत? भारतीय बल्लेबाजों की 'अग्निपरीक्षा', पिच के साथ खेल कर सकते हैं अंग्रेज

नई दिल्ली, एजेंसी | टीम इंडिया की अब अगली अग्निपरीक्षा लॉर्ड्स के मैदान में 10 जुलाई से होगी। वहीं दूसरे टेस्ट में 336 रनों से मिली करारी हार के बाद अब इंग्लैंड टीम पिच को लेकर ज्यादा सजग हो गई है। जिस कारण उसने फ्लैट पिच से तौबा करने का मन बना लिया है और अब लॉर्ड्स में पेस और बाउंस वाली पिच की मांग की है।

एजबेस्टन टेस्ट जीतने के बाद टीम इंडिया की अब अगली अग्निपरीक्षा लॉर्ड्स के मैदान में 10 जुलाई से होगी। वहीं दूसरे टेस्ट में 336 रनों से मिली करारी हार के बाद अब इंग्लैंड टीम पिच को लेकर ज्यादा सजग हो गई है। जिस कारण उसने फ्लैट पिच से तौबा करने का मन बना लिया है और अब लॉर्ड्स में पेस और बाउंस वाली पिच की मांग की है।

बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबेस्टन में तैयार की गई पिच उपमहाद्वीप की तरह थी। टॉस के समय स्टोक्स द्वारा पहले गेंदबाजी करने की गलती भारत के पक्ष में चली गई। अंग्रेज टीम गुरुवार से होने वाले तीसरे टेस्ट में वह घरेलू लाभ का बेहतर तरीके से फायदा उठाने की कोशिश करेगी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव भी तय है।

बता दें कि, पिछले महीने लॉर्ड्स में खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में तेज गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला था। इसमें पैट कमिंस और कगिसो रबाडा दोनों को ही काफी सीम मूवमेंट मिला था। मैकुलम के दिमाग ने भी ऐसी ही पिच है और उन्होंने एमसीसी के हेड ग्राउंड्समैन कार्ल मैकडरमोट से ज्यादा गति, थोड़ा ज्यादा उछाल वाली पिच की मांग की है। उन्होंने कहा कि, ये ब्लॉकबस्टर होगा, लेकिन अगर पिच में जान हुई तो मुझे लगता है कि ये धमाकेदार मुकाबला होगा।

फिलहाल, 2018 में भारत को इस मैदान में हरी पिच पर पेरशानी झेलनी पड़ी थी। लेकिन चार साल पहले उसने वहां टेस्ट मैच जीता था। जसप्रीत बुमराह को अपने सीम अटैक में वापस लाएगी, जिन्हें बर्मिंघम में आराम दिया गया था। भारत अलग तरह की पिच की उम्मीद कर रहा है। कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि, देखते हैं वे लॉर्ड्स में हमे कैसा विकेट देते हैं। मेरा अनुमान है कि ये सपाट नहीं होगी।

हरमनप्रीत और शेफाली को दिखाना होगा दम

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतनी है तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को बुधवार को यहां होने वाले चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था।

शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही।

स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अब तक भारत की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है और वे इन दो अनुभवी खिलाड़ियों से और अधिक सहयोग की उम्मीद करेंगे।

शेफाली विशेषकर अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगी क्योंकि आठ महीने बाद टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। उन्होंने पहले दो मैच में 20 और तीन रन बनाए थे।

हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी की जिसमें वह एक रन ही बना सकी थी। उन्हें हरलीन देओल की जगह अंतिम एकादश में लिया गया जिन्होंने पहले मैच में काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। हरलीन ने 23 गेंदों पर 43 रन बनाये थे, जिससे मंधाना को अपनी लय बनाए रखने में मदद मिली थी।

इस श्रृंखला में भारत की स्पिनरों एन श्री चरणी (08 विकेट), दीप्ति शर्मा (06) और तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी (04) ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव और तेज गेंदबाज अमनजोत से थोड़ा और सहयोग चाहिए होगा।

जहां तक इंग्लैंड की बात है तो अगर उसे श्रृंखला बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले और डैनी व्याट-हॉज ने अर्धशतक लगाए थे और टीम को फिर से उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

टीम इस प्रकार हैं: भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंडः टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगे स्कोल्फील्ड, लिंसी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर। मैच भारतीय समयानुसार रात 11 बजे शुरू होगा।

व्यापार

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के पोर्टफोलियो में बेंटले भी हुई शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी | बेंटले इंडिया, एसएवीडब्ल्यूआईपीएल की ही एक समूह कंपनी है, जो ब्रांड की भारत-केंद्रित रणनीति और खुदरा नेटवर्क की देखरेख करेगी। एबी थॉमस को बेंटले इंडिया का ब्रांड निदेशक नियुक्त किया गया है और वह भारतीय बाजार में इस ब्रांड की अगुवाई करेंगे।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने सोमवार को अपने परिचालन के तहत छठे ब्रांड के तौर पर ब्रिटिश सुपर लग्जरी ब्रांड 'बेंटले' को शामिल करने की घोषणा की। कंपनी ने एक जुलाई से पूरे भारत में बेंटले ब्रांड के वाहनों के आयात, वितरण और सर्विसिंग की जिम्मेदारी ली है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने बयान में कहा कि विपणन, बिक्री और सर्विसिंग से जुड़ी सभी सेवाएं एक नई स्थापित इकाई बेंटले इंडिया के तहत संचालित की जाएंगी।

बेंटले इंडिया, एसएवीडब्ल्यूआईपीएल की ही एक समूह कंपनी है, जो ब्रांड की भारत-केंद्रित रणनीति और खुदरा नेटवर्क की देखरेख करेगी। एबी थॉमस को बेंटले इंडिया का ब्रांड निदेशक नियुक्त किया गया है और वह भारतीय बाजार में इस ब्रांड की अगुवाई करेंगे। कंपनी ने कहा कि बेंटले ब्रांड दो दशक से अधिक समय से भारत के लग्जरी कार परिदृश्य का हिस्सा रहा है। ऐसे में एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के भीतर इस ब्रांड को शामिल करने से बाजार पर इसका ध्यान केंद्रित होता है। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीयूष अरोड़ा ने कहा, ''बेंटले ब्रांड का साथ जुड़ना समूह के पोर्टफोलियो को पूरा करता है।

यह जर्मन इंजीनियरिंग की सटीकता से लेकर ब्रिटिश शिल्प-कौशल के परिष्कृत एवं बेजोड़ प्रदर्शन को समेटे हुए है।'' कंपनी के कार्यकारी निदेशक (बिक्री, विपणन और डिजिटल) जेन ब्यूरेस ने कहा, ''भारत में तेजी से बढ़ते बेहद अमीर लोगों के खंड को इस सहयोग से फायदा होगा। हम अपने नए डीलर साझेदारों के साथ मिलकर ग्राहकों के लिए बेहतरीन लग्जरी और प्रदर्शन सुनिश्चित करेंगे।

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोलकाता बंदरगाह से 740 करोड़ रुपये की परियोजना मिली

कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि परियोजना आवंटन पत्र नेताजी सुभाष गोदी पर पर बर्थ (जहाज रुकने का स्थान) आठ के पुनर्निर्माण और बर्थ सात के मशीनीकरण के लिए है। कंपनी ने कहा कि परियोजना पीपीपी मॉडल के तहत बनाओ, वित्त पोषण, परिचालन और सौंप दो (डीबीएफओटी) के आधार पर दी गयी है।

नई दिल्ली, एजेंसी | जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट प्राधिकरण से 740 करोड़ रुपये की बंदरगाह परियोजना के लिए आवंटन पत्र मिला है। इस परियोजना का उद्देश्य बंदरगाह पर कंटेनर रखरखाव क्षमता को बढ़ाना है।

कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि परियोजना आवंटन पत्र नेताजी सुभाष गोदी पर पर बर्थ (जहाज रुकने का स्थान) आठ के पुनर्निर्माण और बर्थ सात के मशीनीकरण के लिए है। कंपनी ने कहा कि परियोजना पीपीपी मॉडल के तहत बनाओ, वित्त पोषण, परिचालन और सौंप दो (डीबीएफओटी) के आधार पर दी गयी है।

इसमें 30 साल की रियायत अवधि दी गयी है। यह सरकार की बंदरगाह निजीकरण पहल के तहत अपने टर्मिनल पोर्टफोलियो का विस्तार करने की जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर की रणनीति के अनुरूप है। कंपनी ने कहा कि परियोजना पर 740 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का अनुमान है और निर्माण कार्यों में दो साल का समय लगेगा।

देश में जून में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 28.6 प्रतिशत बढ़कर 1,80,238 इकाई : फाडा

मुंबई, एजेंसी | देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री जून में सालाना आधार पर 28.60 प्रतिशत बढ़कर 1,80,238 इकाई हो गई।

मोटर वाहन डीलर के शीर्ष निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री जून में सालाना आधार पर 79.95 प्रतिशत बढ़कर 13,178 इकाई हो गई जबकि जून 2024 में यह 7,323 इकाई रही थी।

फाडा ने बयान में कहा, समग्र इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में ई-यात्री वाहनों की हिस्सेदारी जून 2024 के 2.5 प्रतिशत से बढ़कर जून 2025 में 4.4 प्रतिशत हो गई।

समीक्षाधीन महीने में इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की बिक्री 60,559 इकाई दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष इसी महीने बेचे गए 52,302 वाहनों से 15.79 प्रतिशत अधिक है।

मोटर वाहन डीलर के शीर्ष निकाय के आंकड़ों के अनुसार, इलेक्ट्रिक तिपहिया खंड की जून 2025 में कुल ईवी मांग में हिस्सेदारी 60.2 प्रतिशत रही जबकि जून 2024 में यह 55.4 प्रतिशत थी।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री जून में 31.69 प्रतिशत बढ़कर 105,355 इकाई हो गई, जबकि जून 2024 में 80,003 ई-दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री दर्ज की गई थी। इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री भी जून में 122.5 प्रतिशत बढ़कर 1,146 इकाई रही जो जून 2024 में 515 इकाई रही थी।

फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बताया कि इलेक्ट्रिक परिवहन सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व गति पकड़ रहा है। इसे इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए पीएम ई-ड्राइव योजना के अधिदेश से बल मिल रहा है।

अदाणी पावर ने 600 मेगावाट की विदर्भ स्थित पावर कंपनी का किया अधिग्रहण, 4,000 करोड़ रुपये में सौदा

कंपनी ने बताया है कि वह 2029-30 तक 30,670 मेगावाट क्षमता का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। यह ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के मिश्रण के माध्यम से अपने बेस-लोड बिजली उत्पादन पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है। आइए इस सौदे के बारे में विस्तार से जानें।

नई दिल्ली, एजेंसी | अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) ने 600 मेगावाट क्षमता वाली विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) का अधिग्रहण सफलतापूर्वक पूरा किया। यह अधिग्रहण दिवाला प्रक्रिया के तहत 4,000 करोड़ रुपये में हुआ। एपीएल ने मंगलावर को यह जानकारी दी।

एपीएल ने एक बयान में कहा कि 18 जून ,2025 को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने इस अधिग्रहण योजना को मंजूरी दी थी। इसके बाद 7 जुलाई को योजना को पूरी तरह लागू कर दिया गया।

एपीएल की परिचलान क्षमता 18,150 मेगावट हो गई

वीआईपीएल महाराष्ट्र के नागपुर जिले के बुटीबोरी में स्थित है और इसमें 2×300 मेगावाट के घरेलू कोयला-आधारित संयंत्र शामिल हैं। इसके अधिग्रहण के बाद अदाणी पावर की परिचलान क्षमता बढ़कर 18,150 मेगावट तक पहुंच गई है।

एपीएल का 2029-30 का लक्ष्य

एपीएल ने कहा कि वह 2029-30 तक अपनी क्षमता को 30,670 मेगावाट तक पहुंचाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। इसके तहत अडानी पावर देशभर में कई ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड परियोजनाओं पर काम कर रही है।

कंपनी कर रही है छह ब्राउनफील्ड परियोजनाओं का निर्माण

कंपनी वर्तमान में अपने छह ब्राउनफील्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट्स (यूएससीटीपीपी) का निर्माण कर रही है, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 1,600 मेगावाट होगी। ये संयंत्र सिंगरौली-महान (मध्य प्रदेश), रायपुर, रायगढ़, कोरबा (छत्तीसगढ़) और कवाई (राजस्थान) में स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में 1,600 मेगावाट की ग्रीनफील्ड यूएससीटीपीपी का भी निर्माण कर रही है। साथ ही, कंपनी कोरबा में 1,320 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट के निर्माण को भी पुनर्जीवित कर रहा है, जिसे इसने पहले अधिग्रहित किया था।

सभी के लिए बिजली का विजन

एपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसबी ख्यालिया ने कहा कि हम अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए 'सभी के लिए बिजली' के भारत के विजन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि देश की सतत विकास यात्रा को सस्ती और भरोसेमंद बेस-लोड बिजली के माध्यम से समर्थन दिया जा सके।

अदाणी समूह की कंपनी एपीएल भारत की सबसे बड़ी निजी ताप विद्युत उत्पादन कंपनी है। कंपनी के पास गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और तमिलनाडु में ताप विद्युत संयंत्रों में 18,150 मेगावाट की स्थापित क्षमता है। इसके अलावा, गुजरात में 40 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना का भी संचालन किया जा रहा है।

साइप्रस की कंपनियां भारतीय शिपिंग क्षेत्र में उतरेंगी, 10000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी | साइप्रस स्थित कंपनियों इंटरओरिएंट नेविगेशन कंपनी लिमिटेड और डैनशिप एंड पार्टनर्स लिमिटेड ने भारतीय शिपिंग क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। इंटरओरिएंट ने एक बयान में कहा कि यह निवेश भारतीय शिपिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा एफडीआई है। 2005 में इस क्षेत्र को 100 प्रतिशत एफडीआई के लिए खोल दिया गया था।

कंपनियों की ओर से यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 15 जून 2025 को साइप्रस यात्रा के कुछ दिनों बाद की गई है। अपनी यात्रा के दौरान मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ औपचारिक चर्चा की थी।

पंजाबी सॉन्ग में दिखा भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह का स्वैग

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने अपनी मेहनत और काबिलियत से बड़ा नाम कमाया है। उन्होंने भोजपुरी के साथ-साथ हिंदी और पंजाबी में भी अपनी पहचान बनाई है। अक्षरा का पंजाबी गाना पैग पग रिलीज हो चुका है। अक्षरा के इस गाने पर फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अक्षरा ने अपने शानदार गानों और फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है। हाल ही में उनका एक नया पंजाबी गाना पैग पग रिलीज हुआ है। इसमें उनका देसी अंदाज और स्टाइलिश लुक लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। इस गाने में अक्षरा सिंह और रेहाना पंडित की जोड़ी कमाल की लग रही है। गाने को तुषार जुले ने गाया है। रिलीज होने के कुछ ही मिनटों में इस गाने को लाखों व्यूज मिल चुके हैं।अक्षरा सिंह ने आज इंस्टाग्राम पर अपने गाने पैग पग का वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, पेग पग का नया गाना अभी रिलीज़ हुआ है-देखिये और प्यार दीजिए। इस गाने को देखने के बाद अक्षरा के फैंस जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अक्षरा के पैग पग गाने पर कई फैंस ने जमकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक फैन ने लिखा, बहुत बढ़िया वाह, एक और फैन ने लिखा, बिहारी पावर, एक और फैन ने लिखा, बॉलीवुड में अक्षरा वाह क्या बात है, एक और फैन ने लिखा, मेहनत से मेहनत कैसे हासिल करें ये आप से कोई सीखे अपने युवा वर्ग के लिए एक आदर्श हो, एक और फैन ने लिखा, आप का कोई जवाब नहीं, एक और फैन ने लिखा, बहुत अछा गाना, एक और फैन ने लिखा, बहुत बढ़िया अक्षरा सिंह।

अंकिता-विक्की ने प्रेग्नेंसी रूमर्स पर तोड़ी चुप्पी

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन टीवी के मोस्ट पॉपुलर कपल्स में से एक हैं. ये जोड़ी लाफ्टर शेफ के दोनों सीजन में नजर आई हैं. इन सबके बीच पिछले काफी समय से अंकिता लोखंडे की प्रेग्नेंसी के रूमर्स भी फैले हुए हैं. वहीं 'लाफ्टर शेफ्स 2' के सेट पर जब कृष्णा अभिषेक अंकिता को दौड़ा रहे थे तब एक्ट्रेस ने भी बताया था कि वह प्रेग्नेंट हैं. तब से ही, फैंस कयास लगा रहे हैं कि ये जोड़ी जल्द ही अपने पहले बच्चे का वेलकम करने वाली है. वहीं अंकिता और विक्की ने अब फाइनली प्रेग्नेंसी रूमर्स पर चुप्पी तोड़ी है. अंकिता और विक्की ने अपने लेटेस्ट व्लॉग में प्रेग्नेंसी रूमर्स पर बात की है. अपने व्लॉग में अंकिता कहती हैं, 卐खबरें तो काफी समय से चल रही हैं, प्रेग्नेंसी कब होगी, यह सवाल होना चाहिए. पूरा परिवार लगा हुआ है. नेगोशिएशन चल रहा है. बातचीत चल रही है. मैं सवालों से थक गई हूं.卐 इसके बाद अंकिता कहती हैं मुझे माफ करना, मैं आंसर दे दूंगी दोस्तों जब मैं प्रेग्नेंट होऊंगी.इससे पहले कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और एक्टर करण कुंद्रा ने शूटिंग के दौरान अंकिता को उनकी 卐प्रेग्नेंसी卐 को लेकर चिढ़ाया था, जिससे गॉसिप को और हवा मिली. हालांकि, ये व्लॉग इस बात को कंफर्म करता है कि परिवार में इस विषय पर चर्चा हो रही है, लेकिन अभी तक कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं है. व्लॉग में इस जोड़ी ने अपने शुरुआती दिनों की मीठी यादें भी शेयर की. अंकिता ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने रिश्ते में पहला कदम उठाया।

10 एक्टर 3 फिल्में और दांव पर लगे हैं 750 करोड़ से भी ज्यादा

इस साल 5 दिसंबर को बॉलीवुड में जबरदस्त भिड़ंत होने वाली है. प्रभास, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर , तीनों बड़े सितारे अपनी-अपनी फिल्में एक ही दिन लेकर आ रहे हैं. तीनों फिल्में बड़ी हैं, बजट भारी है और फैन फॉलोइंग भी जबरदस्त. ऐसे में ये दिन बॉक्स ऑफिस के लिए काफी अहम साबित हो सकता है.प्रभास की 'द राजा साब' और रणवीर सिंह की 'धुरंधर' दोनों 5 दिसंबर को रिलीज हो रही हैं, और इसी दिन शाहिद कपूर की एक नई एक्शन फिल्म भी थियेटर में दस्तक देगी.प्रभास की फिल्म का बजट लगभग 450 करोड़ बताया जा रहा है जबकि रणवीर की फिल्म 300 करोड़ में बनी है, यानी सिर्फ इन दो फिल्मों पर ही 750 करोड़ का दांव लगा है.शाहिद की फिल्म का बजट तो सामने नहीं आया है लेकिन वो प्रोड्यूसर विशाल भारद्वाज के साथ एक्शन ड्रामा लेकर आ रहे हैं, तो कम खर्च में बनना मुश्किल है.खास बात ये है कि तीनों ही फिल्मों की रिलीज डेट एकहै, जिससे बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा क्लैश देखने को मिलेगा .रणवीर और प्रभास , दोनों की फिल्मों में संजय दत्त भी नजर आएंगे, यानी वो एक ही दिन दो फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाते दिखेंगे.रणवीर की फिल्म में आर माधवन, अर्जुन रामपाल और अक्षय खन्ना जैसे बड़े सितारे हैं, जबकि शाहिद की फिल्म में नाना पाटेकर, तृप्ति डिमरी और रणदीप हुड्डा होंगे.इतनी बड़ी टक्कर पहले कभी नहीं हुई, तीन फिल्में, दस से ज्यादा बड़े कलाकार और करीब 750 करोड़ से ज्यादा की लागत , ये 2025 का सबसे बड़ा फिल्मी महायुद्ध माना जाएगा।

2026 में शुरू होगी डॉन 3 की शूटिंग

प्रियंका की वापसी तय

अगस्त 2023 में घोषित और फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित रणवीर सिंह की डॉन 3 को कई बार देरी का सामना करना पड़ा है। कियारा आडवाणी को मुख्य महिला किरदार के लिए पुष्टि की गई थी, और अब, रिपोर्ट्स बताती हैं कि प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्मांकन आखिरकार 2026 में शुरू होगा। यह रणवीर के साथ उनका फिर से जुड़ना है, जिनके साथ उन्होंने पहले गुंडे, दिल धड़कने दो और बाजीराव मस्तानी में स्क्रीन स्पेस साझा किया था। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, एक सूत्र ने सुभाष के. झा को बताया कि देरी अपरिहार्य थी, क्योंकि डॉन 3 में शाहरुख खान की प्रतिष्ठित भूमिका में कदम रखने के बाद रणवीर को बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

नतीजतन, फरहान और रणवीर ने आपसी सहमति से आगे बढ़ने से पहले गर्मी को कम करने का फैसला किया। सूत्र ने कहा, रणवीर को भूमिका के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार होने के लिए भी समय चाहिए था, जिसके लिए कठोर मार्शल आर्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इसके अलावा, सूत्र ने खुलासा किया कि फरहान को डॉन 3 की शूटिंग रोकनी पड़ी, क्योंकि कियारा, जिन्होंने प्रियंका चोपड़ा की जगह मुख्य भूमिका के लिए साइन किया था, गर्भवती हो गई, जिससे उनकी बदली परिस्थितियों के कारण फिल्म की प्रगति रुक ??गई।

इसके अलावा, फरहान अपनी खुद की अभिनय प्रतिबद्धताओं में व्यस्त हो गए, विशेष रूप से गहन युद्ध फिल्म 120 बहादुर के साथ, जिसमें उन्होंने मेजर शैतान सिंह की भूमिका निभाई है। कथित तौर पर, डॉन में रोमा की भूमिका निभाने वाली प्रियंका डॉन 3 के लिए वापस आ सकती हैं। हालाँकि, आधिकारिक पुष्टि अभी भी प्रतीक्षित है। डॉन 3 के लिए फिल्मांकन जनवरी 2026 में शुरू होने वाला है, निर्माताओं का लक्ष्य दिसंबर 2026 में इसे नाटकीय रूप से रिलीज़ करना है।

पंचायत सीजन 5 नीना गुप्ता ने स्क्रिप्ट को लेकर किया बड़ा खुलासा

पंचायत सीजन 4 की रिलीज के बाद, अगले सीजन को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है। हाल ही में, शो के लेखक चंदन कुमार ने पुष्टि की कि पंचायत के सीजन 5 की स्क्रिप्ट तैयार है।इस उत्साह के बीच, लोकप्रिय सीरीज में मंजू देवी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री नीना गुप्ता ने दर्शकों के लिए क्या नया है, इस बारे में खुलासा करके धमाका कर दिया। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले सीजन में कुछ अप्रत्याशित चीजें होंगी। स्क्रिप्ट लीक हो गई है, जैसा कि नीना गुप्ता ने हाल ही में आईएएनएस के साथ एक साक्षात्कार में दावा किया है। सीजन 4 के बाद, ऐसे ज्वलंत प्रश्न हैं जिन्हें जानने के लिए प्रशंसक उत्सुक हैं, उनमें से एक यह है कि चुनाव कौन जीतेगा? जब लेखक से यही पूछा गया, तो उन्होंने यह कहते हुए विवरण साझा किया, तीन प्रश्न हैं, और एक और है, प्रधान जी को किसने गोली मारी? इसलिए, मुझे लगता है, आपको चारों सवालों के लिए सीजन देखना होगा। आपको बहुत सारे जवाब मिलेंगे। और वे जवाब कुछ ट्विस्ट के साथ आएंगे। कुछ सीधे होंगे, और कुछ ट्विस्ट होंगे। और, मुझे लगता है, यह एक अच्छा सीजन 4 बनाएगा।इसके अलावा, नीना ने माना कि पंचायत सीजन 5 की स्क्रिप्ट पहले ही लीक हो चुकी है। अभिनेत्री ने यह सुनने के बाद जवाब दिया कि दर्शकों को लगता है कि मंजू देवी जीतेगी। लेकिन उसके बाद, कुछ अप्रत्याशित हो सकता है। इस पर, उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, स्क्रिप्ट लीक हो गई है। अगले सीजन के लिए तैयार हो जाओ - स्क्रिप्ट पहले ही लीक हो चुकी है!

सागर जिले में भारी बारिश से स्कूल में जलभराव तो मदद को बुलानी पड़ी पुलिस, पढ़ने आए 150 बच्चे फंसे थे

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर जिले में बीते कुछ दिनों से बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहने से अब जिले के निचले इलाकों में जलभराव जैसी समस्याएं सामने आने लगी हैं। सोमवार को हुई बारिश से बीना तहसील क्षेत्र के ग्राम लहरावदा हाईस्कूल में भारी बारिश के चलते इतना जलभराव हो गया कि स्कूल आए 150 बच्चे स्कूल में ही फंस कर रह गए। तब उनकी मदद के लिए पुलिस बुलानी पड़ी।

जिले के भांनगड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत लहरावदा हाई स्कूल प्रांगण में बारिश के चलते पानी भर गया। वह भी इतना की मदद के लिए भानगढ़ थाने से पुलिस बुलाने पड़ी। स्कूल मे करीब डेढ़ सौ विद्यार्थी व स्टाफ मौजूद था। जानकारी अनुसार क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते शासकीय हाई स्कूल प्रांगण में स्कूल के चारों ओर पानी भर गया। जिसे से स्कूल में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं स्टाफ फंस गया। मदद के लिए पुलिस बुलानी पड़ी।सूचना मिलते ही भानगढ़ थानाप्रभारी सतेंद्र भदौरिया, एएसआई जगमोहन, आरक्षक प्रवीण भदोरिया एवं आरक्षक योगी शर्मा मौके पर पहुंच गए। और पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर ट्रॉली लगाकर बच्चों और शिक्षकों को सुरक्षित बाहर निकाला।

भानगढ़ थाना प्रभारी सत्येंद्र भदोरिया ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मौके पर पहुंचे और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित निकाला गया है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल परिसर में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है जिसकी वजह से पानी भराव की स्थिति बन जाती है। लेकिन शिकायतों के बाद भी स्थाई निराकरण नहीं किया गया।

• सागर, प्रतिनिधि

सागर शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय सागर की जनभागीदारी समिति की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर महाविद्यालय के विषय में विभिन्न विषयों पर निर्णय लिए इस अवसर पर जन भागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा विनय मिश्रा, प्राचार्य डॉक्टर आनंद तिवारी सहित जन भागीदारी के सदस्य गण उपस्थित थे

आकाशीय बिजली गिरने से सरपंच की दर्दनाक मृत्यु, गांव में शोक की लहर

• सागर, प्रतिनिधि

गौरझामर | देवरी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सुजानपुर के सरपंच सुरजीत सिंह लोधी गुड्डू भैया की आकाशीय बिजली गिरने से दुखद मृत्यु हो गई। घटना सोमवार की शाम करीब 6 बजे की है। जब निजी खेत के पास किसी कार्य से एक अन्य व्यक्ति के साथ गए थे अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया जिसका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। अचानक मौसम बदलने के बाद तेज़ गरज-चमक के साथ बिजली गिरी और सरपंच इसकी चपेट में आ गए। बिजली गिरने के तुरंत बाद सरपंच बेहोश हो गए उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस अप्रत्याशित हादसे से गांव में गहरा शोक फैल गया है। ग्रामीणों की आंखें नम हैं और हर कोई उन्हें एक संवेदनशील, मेहनती और जनहितैषी नेता के रूप में याद कर रहा है। देवरी विधानसभा से पूर्व विधायक रतन सिंह सिलारपुर के भतीजे एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह लोधी के छोटे भाई थे जो वर्तमान में सरपंच भी थे। हजारों की संख्या में लोगों ने पहुंच कर उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

अस्पताल से मां को छुट्टी देने से पहले मिलेगा जन्म प्रमाण पत्र - कलेक्टर ने दिए निर्देश

• सागर, प्रतिनिधि

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने जनसुविधा को दृष्टिगत रखते हुए चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्त स्वास्थ्य इकाईयों में होने वाले जन्म का पंजीयन संस्था से प्रसूता के डिस्चार्ज के पूर्व अनिवार्यतः करते हुए जन्म प्रमाणपत्र की प्रति डिस्चार्ज स्लिप के साथ अथवा उनके रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर पर वाट्सएप एव अन्य माध्यम से प्रदाय करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार जन्म प्रमाण पत्र के बढ़ते महत्व को देखते हुए, यह प्रमाण पत्र नव-जात शिशु की मां को अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले ही दे दिया जाये, खासकर सरकारी अस्पतालों द्वारा जहां कुल संस्थागत जन्मों में से 50 प्रतिशत से अधिक जन्म होते है। साथ ही रजिस्ट्रार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे अस्पताल में जन्म होते ही उसका पंजीकरण करें और जन्म प्रमाण पत्र तुरंत जारी करें। जिससे जनसाधारण को सुविधा होगी।

खुरई के सिविल अस्पताल को केन्द्र सरकार से मिला गुणवत्ता प्रमाण पत्र

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए खुरई के सिविल अस्पताल को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र के लिए चयनित अस्पतालों का निरीक्षण कर वहां के मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए मरीजों से भी फीडबैक लिया जाता है। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किये जाते है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने खुरई के सिविल अस्पताल के निरीक्षण में 89.22 प्रतिशत अंक देते हुए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया है। उल्लेखनीय है कि सागर जिले में एकमात्र खुरई के सिविल अस्पताल को यह उपलब्धि हासिल हुई है। भोपाल में डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने खुरई सिविल अस्पताल के बीएमओ डॉ. रामजी ठाकुर को उक्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस उपलब्धि पर विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने सिविल अस्पताल के समस्त स्टाफ को बधाई दी है।

बिचपुरी में नल-जल योजना से हर घर तक पहुंचा पानी

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर के मार्गदर्शन से विकासखंड राहतगढ़ के ग्राम बिचपुरी में सरपंच श्री प्रदीप साहू द्वारा नल-जल योजना को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया गया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम में नल-जल योजना के तहत शत-प्रतिशत नल कनेक्शन सुनिश्चित किए गए हैं।

गांव के प्रत्येक घर में प्रतिदिन 30 मिनट तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो रही है। इस व्यवस्था से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। पहले जहां गर्मियों के दिनों में पानी की समस्या उत्पन्न हो जाया करती थी वहीं अब नल जल योजना से गांव के प्रत्येक परिवार को घर में नल के माध्यम से पानी मिल रहा है।

गांव के सरपंच श्री प्रदीप साहू ने बताया कि नल जल योजना के तहत गांव के हरेक परिवार के घर तक नल के माध्यम से पेयजल सप्लाई किया जा रहा है एवं घर घर तक नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाने के एवज में प्रत्येक नल कनेक्शन के हिसाब से 100 रुपए न्यूनतम राशि ली जा रही है प्राप्त राशि का उपयोग बिछाई गई पाइप लाइन की मरम्मत के लिए किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने जल जीवन मिशन योजना के माध्यम से जल निगम के द्वारा जिले के राहतगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिचपुरी सरपंच को शत प्रतिशत घरों में पेयजल सप्लाई कर शत प्रतिशत मासिक किराया लेने पर प्रमाणपत्र देकर पुरुस्कृत किया।

ग्रामवासियों ने नल जल योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री संदीप जी आर तथा सरपंच श्री प्रदीप साहू का आभार व्यक्त किया है। यह कार्य ग्रामीण विकास और जन सुविधा की दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास है।

सागर जिले में पहली बार होगा पेपरलेस पंचायत चुनाव

निर्वाचन आयोग के पेपरलेस चुनाव की ओर बढ़ते कदम

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संदीप जी आर के निर्देशन में जिले में होने वाले उपचुनाव में नई तकनीकी का उपयोग हो रहा है। जिसकी शुरुआत बीना जनपद और ग्राम पंचायत के चुनाव में जनता को देखने को मिलेगी।

इस बार प्रयोग के तौर पर पेपरलेस मतदान किया जाएगा। यह प्रक्रिया अगर सफल हुई तो आगामी सभी चुनाव इसी माध्यम से किए जाएंगे। बीना में यह चुनाव इसी माह 22 जुलाई को होने हैं। केन्द्रीय चुनाव आयोग के द्वारा पेपरलेस चुनाव कराने पर कार्य चल रहा है। जिसके लिए डिजिटल मोबाईल और अन्य मशीनरी से करने की तैयारी की जा रही है। जिससे कर्मचारी की कमी को दूर किया जा सके वहीं मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को भीड़ भरे माहौल में इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस ओर मध्यप्रदेश में डिजिटल लोकतंत्र की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहा है।

सागर में 22 जुलाई 2025 को होने वाले पंचायत एवं जनपद पंचायत चुनावों को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पूरी तरह पेपरलेस कराया जाएगा। इस नवाचारात्मक प्रयोग के सफल संचालन हेतु राज्य निर्वाचन आयोग तीन चरणों में वरिष्ठ अधिकारियों का दल भेजेगा।

बीना जनपद एवं 4 ग्राम पंचायतों में होगा पेपरलेस मतदान – जिले के अंतर्गत जनपद पंचायत बीना एवं चार ग्राम पंचायतों के सरपंच पद हेतु यह चुनाव संपन्न होंगे। इस प्रक्रिया में 16 मतदान केंद्रों पर संपूर्ण रूप से पेपरलेस प्रणाली अपनाई जाएगी, जो राज्य निर्वाचन आयोग के लिए एक मॉडल प्रोजेक्ट के रूप में कार्य करेगा।

तीन चरणों में होगी तकनीकी और प्रशासनिक तैयारी – पहला चरण 7-8 जुलाई 2025 को प्रशिक्षण का पहला दौर शुरू होगा।

इस दौरान पूर्व निरीक्षण और तकनीकी प्रशिक्षण, राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव एवं चार तकनीकी अधिकारी जिला सागर पहुंचेंगे। वे मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे और सभी डिजिटल संसाधनों की स्थापना व जांच करेंगे। मतदान कर्मियों को फील्ड लेवल क्लियरेंस, रेंडमाइजेशन, और तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। दूसरा चरण 14-16 जुलाई 2025 को प्रशिक्षण का दूसरा दौर किया जाएगा। प्रशिक्षण का दूसरा दौर अवर सचिव संजू कुमारी द्वारा पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान दल को प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिया जाएगा। एमटी टीम का गठन, मॉक ड्रिल, लैपटॉप, सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन और निर्वाचन प्रक्रिया का पूर्वाभ्यास कराया जाएगा।

तीसरा चरण 22 जुलाई को – उप सचिव मुकुल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोग का दल मतदान के दिन जिला प्रशासन के साथ मिलकर मतदान प्रक्रिया का संचालन करेगा। एसएसएमटी द्वारा मतदान सामग्री सीधे मतदान केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी, जिससे पीठासीन अधिकारियों को कार्यालय में लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल नवाचार से बदलेगा चुनावी परिदृश्य राज्य निर्वाचन आयोग की यह पहल आगामी समय में प्रदेशभर में होने वाले चुनावों के लिए मॉडल प्रणाली बन सकती है।

यह प्रक्रिया पारदर्शिता, प्रभावशीलता और लागत नियंत्रण सुनिश्चित करेगी। पीठासीन अधिकारियों को कम बोझ, तेजी से परिणाम संसाधन और डिजिटल दस्तावेजीकरण इस प्रक्रिया के मुख्य लाभ है।

एमपी का रोबोट मैन, आईआईएसईआर आईएटी 2025 परीक्षा में देश में 28वीं रैंक हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर जिले के 20 वर्षीय उत्कर्ष सेन ने आईआईएसईआर आईएटी 2025 परीक्षा में देशभर में 28वीं रैंक हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। पांच लाख अभ्यर्थियों में से 240 में से 225 अंक प्राप्त कर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस सफलता के चलते उनका चयन आईआईटी मद्रास में मास्टर ट्रेनिंग इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम में हुआ है, जहां तीन साल की ट्रेनिंग के बाद उन्हें भारत की अग्रणी आईटी कंपनियों में सीआईओ (CIO) पद पर नियुक्त किया जाएगा।

उत्कर्ष वर्तमान में बेंगलुरु की एक एआई कंपनी में चीफ प्रोग्रामिंग ऑफिसर और लैंग्वेज डेटा साइंटिस्ट के रूप में कार्यरत हैं, जहां उनका सालाना पैकेज 18 लाख रुपये है। उन्होंने एक ऐसा रोबोट तैयार किया है जो किसानों को खेत का काम घर बैठे करने में सक्षम बनाएगा। यह रोबोट इस साल के अंत तक बेंगलुरु से लॉन्च किया जाएगा और इसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में एक नई तकनीकी क्रांति की उम्मीद की जा रही है।

उत्कर्ष की रुचि तकनीक में बचपन से ही रही है। जब वे 12 साल के थे, तब उन्होंने एक खिलौने की कार में डीसी मोटर लगाकर उसे खुद चलाया था। इसके बाद उन्होंने लाइटिंग हाउस और अन्य छोटे प्रोजेक्ट बनाए। दो साल पहले उन्होंने जो रोबोट विकसित किया था, उसकी अब टेस्टिंग अंतिम चरण में है। उनका मानना है कि अगर जिज्ञासा और मेहनत हो, तो किसी भी क्षेत्र में सफलता संभव है।

उत्कर्ष सागर और बुंदेलखंड के बच्चों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू कर ऐसे बच्चों को ट्रेनिंग देना चाहते हैं जो आठ कॉमर्स जैसी ग्रुप से होने की वजह से एआई के क्षेत्र में आने से संकुचित हैं। जिससे आर्ट्स और कॉमर्स स्ट्रीम के छात्र भी इस क्षेत्र में आगे आ सकें और बुंदेलखंड के बच्चे भी इस दिशा में आगे बढ़ सके उत्कर्ष खुद आर्ट्स स्ट्रीम से हैं लेकिन एआई की दुनिया में सबको चौंका रहे हैं।

व्यक्ति का नाम, पद पर काम करने की लालसा व्यक्ति की पहचान बनाता है

श्री वर्मा एक ज्ञान की पाठशाला है जितना सीख जाए कम है संयुक्त संचालक शिक्षा का सम्मान एवं विदाई समारोह में शामिल हुए शिक्षाविद

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | व्यक्ति का नाम, पद पर काम करने की लालसा व्यक्ति की पहचान बनाता है। उक्त विचार संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग श्री मनीष वर्मा के सम्मान एवं स्थानांतरण होने पर विदाई समारोह में शामिल हुए शिक्षाविदों ने व्यक्त किए।

प्रभारी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग श्री मृत्युंजय कुमार ने कहा कि व्यक्ति अपने नाम से नहीं बल्कि कम संकल्प ईमानदारी से अपनी पहचान बनाता है और यह सभी खूबियां श्री मनीष वर्मा में थी जिन्होंने अपनी कार्यशैली से संपूर्ण सागर संभाग में एक नई छाप छोड़ी और शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय शुरू किया उन्होंने कहा कि श्री मनीष वर्मा ने अपने नाम के बल पर काम करने का भरपूर प्रयास किया और कराया भी। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद जैन ने कहा कि सर ने संभाग के साथ सागर जिले में शिक्षा के प्रति अलग ही छाप छोड़ी है और सभी को कम करने के लिए संकल्प दिलाया कहा कि चाहे मैं हूं या कोई भी उन्होंने यदि गलती की है तो उसके लिए जरूर कारण बताओं नोटिस जारी कर उसकी जिम्मेदारी तय की है।

जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि श्री वर्मा सर ने परीक्षा परीक्षा के रूप में करने के लिए जो संकल्प लिया उसे सागर जिले का परीक्षा परिणाम में आभूतपूर्व सुधार हुआ है। सर ने सभी जिलों में जाकर परीक्षा में नई कसावट लाई। इस अवसर पर श्री मनीष वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती रंजना वर्मा ने कहा कि व्यक्ति अपनी पहचान काम के कारण ही बनता है और यह सब श्री वर्मा जी ने किया उन्होंने संयुक्त संचालक के पद पर रहते हुए शिक्षा में नई जागृति पैदा की और शिक्षा विभाग में काम करते हुए उन्होंने निष्पक्ष परीक्षा विभाग की जांच सहित अन्य काम ऐसे किया जो हमेशा याद किए जाएंगे। श्री एम की चढ़ार ने कहा कि सर के साथ काम करने में जब भी कोई परेशानी आई सर ने बड़ी ही सहजता के साथ उसको दूर किया और अपना मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि श्री वर्मा सीखने की पूरी पाठशाला है इसे जितना भी सीख जाए कम है।

डॉ महेंद्र प्रताप तिवारी ने कहा कि संयुक्त संचालक श्री मनीष वर्मा के द्वारा जो जिले के साथ संभाग को मार्गदर्शन मिला भाई हमेशा याद रखा जाएगा उन्होंने शिक्षा अधिकारियों के लिए नई काम करने की शैली बताई और उन्होंने कहा कि श्री वर्मा किसी भी काम को किसी पर नहीं थोपते थे अपना काम वह स्वयं करते थे जिससे वह अपना नाम और संपूर्ण संभाग के साथ मध्य प्रदेश में अंकित कर चुके हैं। श्रीमती अनीता कुमार ने कहा कि सागर के लिए संयुक्त संचालक श्री मनीष वर्मा का स्थानांतरण शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ी छती है इसका पूरा करना कठिन होगा किंतु उनके मार्गदर्शन में चलते रहेंगे और आगे बढ़ते रहेंगे।श्री राजेन्द्र जैन महावीर शिक्षक खरगोन ने कहा कि आपके कार्य ही आपकी पहचान है।

सुनील श्रीवास्तव सहायक संचालक ने कहा कि सागर जेसे संभाग को आपने जिस कुशलता और प्रशासनिक सुव्यवस्था के साथ संभाला है वह काबिले तारीफ है ,यह भी सत्य है कि जहां भी आप रहेंगे उस संभाग में शिक्षा व्यवस्था को आप पूर्ण समर्पण के साथ व्यवस्थित करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698